संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -336 सोमवार ,09 अक्टूबर 2023 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

इजराइल पर हमास के हमले की निंदा

जयराम रमेश बोले-होना चाहिए फिलिस्तीन के लोगों की समस्या का समाधान

नई दिल्ली,08 अक्टूबर 2023(ए)। कांग्रेस ने रविवार (8 अक्टूबर) को इजराइल पर हमास के हमले की आलोचना की है। इसको लेकर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और कांग्रेस में बहस छिड़ गई। दरअसल, बीजेपी ने आरोप लगाया कि 2004 से 2014 के बीच भारत ने भी ऐसे ही हमले झेले थे।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस का हमेशा मानना रहा है कि फिलिस्तीनी लोगों की चिंताओं का समाधान बातचीत से ही होना चाहिए. कांग्रेस ने कहा, किसी भी प्रकार की हिंसा से कोई समाधान नहीं निकलता. भारत ने हमले की निंदा की है और पीएम मोदी ने कहा कि भारत इजराइल के साथ खड़ा है। इससे पहले बीजेपी ने शनिवार (7 अक्टूबर) को इजराइल हमले को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला। इस दौरान मुंबई आतंकी हमले सहित देशभर में विभिन्न आतंकी घटनाओं का उदाहरण देते हुए बीजेपी ने कहा, इजरायल आज जो झेल रहा है, वही भारत ने 2004-14 के बीच झेला. कभी माफ मत करो,कभी मत भूलो... बीजेपी की ओर से जारी किए गए वीडियो में राहुल गांधी का एक बयान भी शामिल किया गया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि हर आतंकवादी हमले को रोकना बहुत मुश्किल है।

नेतन्याहू ने युद्ध की घोषणा की

हमास ने शनिवार (7 अक्टूबर) को इजराइल में घुसपैठ की और फिर हजारों रॉकेट दागे. इसके बाद इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने युद्ध की घोषणा कर दी. इस जंग में इजराइल में अब तक लगभग 300, जबकि गाजा में भी 232 लोगों मारे जा चुके हैं।

कौन सा देश किसके समर्थन में?

भारत, अमेरिका और ब्रिटेन इजरायल के साथ खड़े हैं. सऊदी अरब, कतर और ईरान हमास का समर्थन करते दिख रहे हैं. इसके अलावा पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने भी फिलिस्तीन का ही सपोर्ट किया है.

इजराइल के साथ खड़ा है भारत

इजराइल के साथ भारत के रणनीतिक रिश्ते हैं. पीएम मोदी ने इजराइल में हुए आतंकी हमलों पर हैरानी जताई और कहा कि भारत मुश्किल घड़ी में इजराइल के साथ एकजुटता से खड़ा है. हमास के हमलों के बाद इजराइल ने भारत को उसके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया. भारत में इजराइल के राजदूत नाओर गिलोन ने भारत के नैतिक समर्थन की सराहना की.

मणिपुर के मंत्री के आवास पर बम विस्फोट

इंफाल,08 अक्टूबर 2023(ए)।।मणिपुर के मंत्री वाई खेमचंद के आवास के गेट पर बीती रात एक बम विस्फोट हुआ। पुलिस ने यह जानकारी दी। विस्फोट के प्रभाव से सीआरपीएफ के एक जवान के दाहिने हाथ में मामूली चोटें आईं। धमाके की जानकारी लेने के लिए मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बताया कि दोपहिया वाहन से आये अज्ञात लोगों ने बम फेंका। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और मंत्री के आवास के पास सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

सिर्फ 24 घंटे के अंतराल में डूबने से 22 लोगों की मौत

» सीएम ने जताया शोक; 4-4 लाख रुपए मुआवजे की घोषणा

पटना,08 अक्टूबर 2023(ए)। बिहार में पिछले 24 घंटे के दौरान नदी, तालाब, पोखर सहित अन्य जलाशयों में डूबने से 22 लोगों की मौत हो गई। इनमें से सबसे अधिक भोजपुर जिले में पांच लोगों की मौत पानी में डूबने से हुई है। डूबने से लोगों की हुई मौत पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शोक व्यक्त करते हुए मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रुपए अनुग्रह अनुदान देने की घोषणा की है।

बताता जाता है कि पिछले 24 घंटे में प्रदेश के नौ जिलों में डूबने से 22 लोगों की मौत हुई है। इनमें सबसे अधिक भोजपुर जिले में पांच लोग शामिल हैं। इसके अलावा पिछले 24 घंटों के दौरान जहानाबाद जिले में 4 लोगों की मौत डूबने से हुई है जबकि पटना और रोहतास जिले में 3- 3 और दरभंगा तथा नवादा में 2-2 लोगों की मौत डूबने से हुई है। मधेपुरा, कैमूर तथा औरंगाबाद में डूबने से एक एक व्यक्ति की मौत हुई है। डूबने से हुई मौत की घटनाओं पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने शोक प्रकट करते हुए कहा कि दुःख की इस घड़ी में वे पीड़ित परिवारों के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रुपए अनुग्रह अनुदान अविलंब देने के निर्देश दिये हैं।

इजराइल युद्ध में फंसी बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरुचा,तहखाने में थीं बंद

मुंबई ,08 अक्टूबर 2023(ए)। इज़राइल और हमास के बीच चल रही जंग के बीच, बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरुचा की इज़राइल में फंसने की खबर सामने आ रही है। नुसरत की टीम की तरफ से एक बयान में एक्ट्रेस के फंसे होने की जानकारी शेयर की गई। उनकी टीम के सदस्य ने बयान दिया, दुर्भाग्य से नुसरत भरुचा इज़राइल में फंस गई हैं। वह हाइफा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा लेने के लिए इजराइल गई थीं। टीम ने ज्यादा जानकारी शेयर नहीं की, बस इतना कहा कि वह एक तहखाने में सुरक्षित हैं।नुसरत भरुचा की टीम के सदस्य ने आगे कहा,उनसे शनिवार दोपहर 12.30 बजे के आसपास कॉन्टैक्ट करने में सफल रहा था। वह एक

तहखाने में सुरक्षित थी। उनकी सुरक्षा के लिए ज्यादा जानकारी नहीं दी जा सकती है। हालांकि, तब से, हम संपर्क नहीं कर पा रहे थे। हम नुसरत को सुरक्षित भारत वापस लाने की कोशिश कर रहे हैंसदस्य ने आगे कहा, हम नुसरत भरुचा की सुरक्षा और स्वास्थ्य के साथ-साथ उनके सुरक्षित भारत लौटने की उम्मीद करते हैं। शनिवार को गाजा पट्टी में आतंकवादी समूह हमास और इज़राइल के बीच युद्ध छिड़ गया है। जिसमें कम से कम 200 लोग मारे गए और 1,000 से अधिक घायल हो गए। नुसरत भरुचा के साथ वर्तमान परिस्थितियां भी कुछ ऐसी लगती है। हमास और इजराइल के बीच चल रहे युद्ध में वह फंस गई हैं। हालांकि यहां उनकी टीम उनकी निकलने में मदद कर रही है और उनके साथ संपर्क बनाने की कोशिश कर रही है।

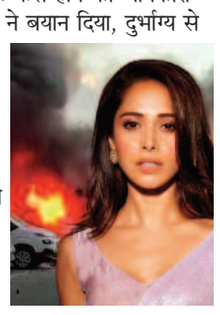

फिरहाद और एमएलए मदन मित्रा के ठिकानों पर सीबीआई ने की रेड

कोलकाता ,08 अक्टूबर 2023(ए)। सीबीआई ने नगर पालिकाओं में करोड़ों रुपये की भर्ती के मामले में एजेंसी की चल रही जांच के सिलसिले में रविवार को पश्चिम बंगाल के मंत्री और कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम के आवास पर तलाशी ली। इसी जांच के सिलसिले में सीबीआई अधिकारियों की एक दूसरी टीम तृणमूल कांग्रेस के विधायक मदन मित्रा के आवास पर पहुंची। उनके आवासों की बाहरी रिंग को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों ने पूरी तरह से घेर लिया है।

किसी को भी घर में प्रवेश करने या उससे बाहर आने की अनुमति नहीं है। दक्षिण कोलकाता के चेतला स्थित हकीम के आवास पर केंद्रीय बल के जवानों ने मंत्री के निजी अंगरक्षकों और अधिवक्ताओं को भी आवास में प्रवेश नहीं करने दिया। मंत्री की बेटी प्रियदर्शनी हकीम को भी शुरू में घर में प्रवेश करने से रोका गया, लेकिन बाद में अनुमति दे दी गई।

हकीम और तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय समर्थकों ने छापेमारी और तलाशी अभियान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। रिपोर्ट दर्ज होने तक मुख्यमंत्री ममता बनर्जी या पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी सहित तृणमूल कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई थी। नगर पालिकाओं में भर्ती मामले में समानांतर जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने गुरुवार को राज्य के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री रथिन घोष के आवास सहित 12 स्थानों पर छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया था।

अब राजस्थान में जाति सर्वेक्षण

» आचार संहिता से पहले गहलोत का चुनावी दांव

जयपुर,08 अक्टूबर 2023(ए)। बिहार सरकार के बाद अब राजस्थान सरकार ने राज्य में जाति सर्वेक्षण कराने का आदेश जारी किया है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग द्वारा जारी किया गया आदेश बिहार द्वारा अपने जाति सर्वेक्षण के निष्कर्ष जारी करने और राजस्थान में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले जारी किया गया है।

गहलोत का बड़ा दांव

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार शाम एक कार्यक्रम में सर्वे कराने की बात कही थी, जिसे राजनीतिक जानकारों के मुताबिक आचार संहिता से पहले सरकार का बड़ा दांव माना जा रहा है। सर्वेक्षण में नागरिकों के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक स्तर के संबंध में जानकारी और डेटा एकत्र किया जाएगा। इन आंकड़ों का अध्ययन कर समाजों के पिछड़ेपन का आकलन किया जाएगा। उसी अनुरूप सुधार योजनाएं बनाई जाएंगी। सरकार का दावा है कि ऐसी योजनाओं से ऐसे पिछड़े वर्गों के जीवन स्तर में सुधार होगा।

सर्वेक्षण कार्य का योजना विभाग होगा नोडल

राज्य कैबिनेट ने इस संबंध में फैसला लिया था, जिसके बाद सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सचिव डॉ. समित शर्मा ने आदेश जारी किया। आदेश के अनुसार सर्वेक्षण कार्य का योजना विभाग नोडल विभाग होगा। सर्वेक्षण के लिए कलेक्टर नगर पालिका, नगर परिषद, निगम, ग्राम और पंचायत स्तर पर विभिन्न विभागों के कर्मचारियों की सेवाएं ले सकेंगे। नोडल विभाग प्रश्नावली तैयार करेगा। इसमें उन विषयों का उल्लेख होगा जिससे प्रत्येक व्यक्ति के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्तर की पूरी जानकारी प्राप्त हो सके।

विधायक के काफिले पर हुआ विस्फोटक हमला

अनंतपुर ,08 अक्टूबर 2023(ए)। पेनुकोंडा से वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के विधायक और पूर्व मंत्री एम. शंकर नारायण के काफिले पर रविवार को आंध्र प्रदेश के श्री सत्य साई जिले में एक युवक ने डेटोनेटर फेंक दिया। घटना गद्दाम थांडा इलाके की है। पुलिस के मुताबिक, शंकर नारायण गडपा गडपाकु मन प्रभुत्वम कार्यक्रम में भाग लेने के लिए इलाके का दौरा कर रहे थे। वह, वाईएसआरसीपी के अन्य नेताओं के साथ काफिले में वाहनों से उतर गए थे। पैदल चल रहे थे। अभी युवक ने विधायक की कार की ओर डेटोनेटर फेंका। हालाँकि, वह झाड़ियों में गिर गया। डेटोनेटर नहीं फटने से विधायक और उनके समर्थकों को राहत मिली। उन्होंने युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। गोरंटला पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया और डेटोनेटर जब्त कर लिया, जिसमें तार लगे हुए थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मणिपुर में युवक को जिंदा जलाया

मणिपुर , 08 अक्टूबर 2023(ए)। रविवार को मणिपुर में कुकी समुदाय के एक शख्स को जिंदा जलाने का वीडियो सामने आया है। इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फ्रंट (आईटीएलएफ) के प्रवक्ता घिंजा ने इस वीडियो को शेयर किया है। उन्होंने कहा कि वीडियो मई का है, लेकिन अभी सामने आया है। यह पूरा वीडियो 7 सेकेंड का है जिसमें एक व्यक्ति को जिंदा जलाया जा रहा है। वीडियो में कुछ आरोपियों के पैर ही नजर आ रहे हैं। वीडियो के बैकग्राउंड से गोलियों की आवाज भी आ रही है। मणिपुर के डीजीपी राजीव सिंह ने एक मीडिया से बात करते हुए कहा कि हमें भी कुछ समय पहले वीडियो मिला था। हम इसकी पुष्टि कर रहे हैं।

मणिपुर में अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मैतेई समुदाय की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च के बाद 3 मई को राज्य में जातीय हिंसा भड़क गई थी. हिंसा की घटनाओं में अब तक 180 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और सैकड़ों लोग घायल हुए हैं।

महिला के प्राइवेट पार्ट में डाली लोहे की रॉड

» फिर भी मन नहीं भरा तो ऊपर चढ़ा दिया ट्रैक्टर

सीधी,08 अक्टूबर 2023(ए)। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में एक महिला के साथ क्रूता और अमानवीय बर्ताव करने का मामला सामने आया है। जमीन विवाद में दबंगों ने महिला के निजी अंग में लोहे की रॉड डाल दी और जब इतने से भी मन नहीं भरा तो उस पर ट्रैक्टर चढा दिया। महिला की हालत गंभीर है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तार कर लिया है।

यह मामला जमोड़ी थाना क्षेत्र का है, यहां के कुर्वाह गांव में जमीन को लेकर दो परिवारों में विवाद था और यह विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने दूसरे पक्ष की महिला के साथ पहले मारपीट की और फिर उसके निजी अंग में लोहे की रोड तक डाल दी। इतना ही नहीं, उन्होंने ट्रैक्टर का पहिया भी उस पर चढ़ा दिया। महिला की हालत गंभीर होने पर उसे रीवा के अस्पताल में रेफर किया गया है।

महिला के बेटे का कहना है कि पड़ोस में रहने वाले परिवार से उनका जमीनी विवाद चल रहा है। उसके परिवार ने जमीन खरीदी है और दबंग उस पर कब्जा कर जुताई कर रहे थे। मां ने विरोध किया तो आरोपियों ने महिला को अकेला पाकर उसके साथ मारपीट की और लोहे की रॉड निजी अंग में डाल ली।उसने आगे कहा कि, उसके बाद जान से मारने की नीयत से मां पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया। महिला को मृत

मानकर वो सभी फरार हो गए। गंभीर हालत में उसे रीवा के संजय गांधी मेडिकल कॉलेज के अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस की माने तो जमीन विवाद के चलते महिला के साथ मारपीट की गई है और उसकी ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। साथ ही जहां तक निजी अंग में लोहे की रोड डालने की बात है, वह मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही सामने आएगी।

सत्य प्रकाश दुबे के परिवार का कातिल प्रेमचंद यादव का करीबी अरेस्ट

देवरिया,08 अक्टूबर 2023(ए)। उत्तर प्रदेश में देवरिया के फतेहपुर गांव के लेड़हा टोला में हुए नरसंहार मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. सत्य प्रकाश दुबे और उनके परिवार के चार लोगों की निर्मम हत्या के मामले में आरोपी नवनाथ मिश्रा उर्फ पट्टू को गिरफ्तार कर लिया है. उसके पास से वो राइफल भी बरामद हुई है, जिससे सत्य प्रकाश दुबे और परिवार के लोगों पर पट्टू ने गोली चलाई थी. यह राइफल प्रेमचंद के नाम है. इसे रुद्रपुर के भभौली तिराहे से अरेस्ट किया गया है. नवनाथ मिश्रा उर्फ पट्टू मृतक पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रेमचंद यादव का ड्राइवर और बॉडीगार्ड है. ये फतेहपुर गांव के अभयपुरा टोला का ही रहने वाला है. इस मामले में एसपी संकल्प शर्मा ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सत्य प्रकाश दुबे, उनकी बेटी सलोनी और बेटे गांधी को गन शॉट इंजरी की पुष्टि हुई है.

सत्य प्रकाश के सीने, सलोनी के घुटने और बेटे गांधी के दिल के निचले हिस्से में गोली लगी थी.

पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने कही ये बातें

पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि जब उसे जानकारी हुई कि उसके मालिक प्रेमचंद की हत्या हो गई है तो वो खेत के रास्ते भागते हुए सत्य प्रकाश दुबे के घर पहुंचा. इसके बाद गांव के दो लड़के प्रेम चंद की राइफल लेकर पहुंचे. उससे ही गोली मारकर हत्या कर दी थी. इस घटना में पुलिस ने नवनाथ समेत 21 लोगों को जेल भेज चुकी है गौरतललब है कि 2 अक्टूबर को जनपद के रुद्रपुर कोतवाली के फतेहपुर गांव में जमीनी विवाद में पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रेमचंद यादव की हत्या हुई थी. इसके प्रतिशोध में सत्य प्रकाश दुबे और उनके परिवार के चार सदस्यों की निर्मम हत्या कर दी गई थी. इस वारदात को बंदूक और धारदार हथियार से अंजाम दिया गया था.

संकल्प शर्मा थाना रुद्रपुर ने बताया कि इस हत्याकांड के बाद सत्य प्रकाश दुबे के परिवार की तरफ से एफआईआर दर्ज कराई गई थी.

मामले में नवनाथ मिश्रा समेत 21 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है. नवनाथ प्रेमचंद के साथ रहता था. इसने स्वीकार किया है कि घटना के समय मौके पर था. राइफल से तीन राउंड फायरिंग की थी. इस मामले में हृस् के तहत भी कार्रवाई होगी

संपादकीय

जाति गणना पर सीडब्लुसी की बैठक!

कांग्रेस पार्टी बिहार में हुई जाति गणन को गंभीरता से ले रही है और किस तरह से इसका राजनीतिक इस्तेमाल हो सकता है इस पर पार्टी विस्तार से विचार करेगी। बताया जा रहा है कि कांग्रेस की कार्य समिति यानी सीडब्लुसी की बैठक इस मुद्दे पर हो सकती है। हालांकि बैठक कब होगी और उसका एजेंडा क्या होगा यह पता नहीं है। ध्यान रहे अभी पांच राज्यों में विधानससभा के चुनाव होने वाले हैं। चुनाव आयोग किसी भी समय इसकी घोषणा कर सकता है। ऐसे में कांग्रेस के सारे नेता प्रचार में लगेंगे या चुनावी कामकाज में व्यस्त हो जाएंगे। सो, उससे पहले ही इस मसले पर बैठक करनी होगी या फिर चुनाव के बाद बैठक होगी।

कांग्रेस के जानकार नेताओं का कहना है कि पार्टी पांच राज्यों के चुनाव में इसका मुद्दा बनाने वाली है। राहुल गांधी अपनी सभाओं में खुल कर जाति गणना का समर्थन कर रहे हैं और वादा कर रहे हैं कि कांग्रेस की सरकार केंद्र में बनी तो पूरे देश में जाति गणना कराएगी। दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस मसले पर कांग्रेस को कठघरे में खड़ा किया है और कहा है कि कांग्रेस पहले भी जात-पात पर देश को बांटती थी और अब भी वही पाप कर रही है। इसका मतलब है कि भाजपा की नजर में जाति गणना पाप है। सो, कांग्रेस चुनावों में इसे मुद्दा बना सकती है।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का एजेंडा भाजपा को ओबीसी, एससी और एसटी विरोधी साबित करना है। इसके लिए उसके पास दो हथियार हैं। पहला, जाति गणना। बिहार ने इसका रास्ता दिखा दिया है। जिस तरह से छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल सरकार ने आरक्षण की सीमा बढ़ा कर 77 फीसदी करने का फैसला किया है उसी तरह का ऐलान मध्य प्रदेश में किया जा सकता है। ध्यान रहे मध्य प्रदेश का समाज बहुत गहराई तक धार्मिक समाज है। वहां हिंदुत्व की जड़ें बहुत मजबूत हैं। कांग्रेस के नेता जातियों की गिनती का कार्ड चल कर कांग्रेस उसमें सेंध लगाने की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस के पास दूसरा मुद्दा महिला आरक्षण का है, जिसमें ओबीसी महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था नहीं की गई है। इस आधार पर भी भाजपा को पिछड़ा विरोधी बताने का अभियान चल रहा है।

पूर्वजों को श्रद्धांजलि देना ही श्राद्ध है

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू, राजस्थान

हिन्दू धर्म में माता-पिता की सेवा को सबसे बड़ी पूजा माना गया है। इसलिए हिंदू धर्म शास्त्रों में पितरों का उद्धार करने के लिए पुत्र की अनिवार्यता मानी गई हैं। जन्मदाता माता-पिता को मृत्यु-उपरान्त लोग विस्मृत न कर दें। इसलिए उनका श्राद्ध करने का विशेष विधान बताया गया है। श्रद्धया इदं श्राद्धम, अर्थात जो श्रद्धा से किया जाये वही श्राद्ध है। श्राद्ध प्रथा वैदिक काल के बाद शुरू हुई और इसके मूल में इसी श्लोक की भावना है। उचित समय पर शास्त्र सम्मत विधि द्वारा पितरों के लिए श्रद्धा भाव से मन्त्रों के साथ जो दान-दक्षिणा आदि दिया जाय वही श्राद्ध कहलाता है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा के दिन सूर्य के कन्या राशि में प्रवेश करने पर इस दिन इसे कनायत भी कहते हैं और इसी दिन से पितृ पक्ष शुरू होता है।

श्राद्ध हिन्दू धर्म में किया जाने वाला एक कर्म है। जो पितरों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता अभिव्यक्त करने तथा उन्हें याद करने के निमित्त किया जाता है। इसके पीछे मान्यता है कि जिन पूर्वजों के कारण हम आज अस्तित्व में हैं। जिनसे गुण हमें विरासत में मिलें हैं। उनका हम पर न चुकाये जा सकने वाला ऋण हैं। पितरों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में जो तर्पण किया जाता है। उसके पीछे धार्मिक मान्यता है कि इससे पितरों को स्वर्ग प्राप्त होता है और उनकी आत्मा को शांति मिलती है। मंदिरों और नदियों के किनारे पितरों को तर्पण देने की सदियों से चली आ रही धार्मिक परम्परा आज भी अनवरत रूप से जारी है।

श्राद्ध सूक्ष्म शरीरों के लिए वही काम करते हैं, जो कि जन्म के पूर्व और जन्म के समय के संस्कार स्थूल शरीर के लिए करते हैं। इसलिए शास्त्र पूर्व जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धादि कर्म का विधान निर्मित करते हैं। सभी संस्कारों विवाह को छोडकर श्राद्ध ही ऐसा धार्मिक कृत्य है, जिसे लोग पर्याप्त धार्मिक उत्साह से करते हैं। विवाह में बहुत से लोग कुछ विधियों को छोड़ भी देते हैं। परन्तु श्राद्ध कर्म में नियमों की अनदेखी नहीं की जाती है। क्योंकि श्राद्ध का मुख्य उद्देश्य परलोक की यात्रा की सुविधा करना है।

भाद्रपद मास की पूर्णिमा से पितृ पक्ष शुरू होकर करीब 16 दिनों तक चलने वाले श्राद्ध में अश्विन मास की अमावस्या तक पितृ पृथ्वी पर वास करेंगे। इन 16 दिनों तक पितरों को प्रसन्न करने के लिए उन्हे यज्ञ, जल से तर्पण दिया जाएगा। इस दौरान पितरों की आत्मा की शांति के लिए जगह-जगह पिंडदान, नारायण बलि, जल तर्पण आदि कर्मकांडों से उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश की जाती है।

आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक ब्रह्माण्ड की ऊर्जा तथा उस उर्जा के साथ पितृप्राण पृथ्वी पर व्याप्त रहता है। धार्मिक ग्रंथों में मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति का बड़ा सुन्दर और वैज्ञानिक विवेचन भी मिलता है।

पुराणों के अनुसार पितृपक्ष में जो तर्पण किया जाता है उससे वह पितृप्राण स्वयं आप्यापित होता है। पुत्र या उसके नाम से उसका परिवार जौ तथा चावल का पिण्ड देता है। उसमें से अंश लेकर वह अम्भप्राण का ऋण चुका देता है। ठीक आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से वह चक्र उर्ध्वमुख होने लगता है। 15 दिन अपना-अपना भाग लेकर शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से पितर उसी ब्रह्मांडीय उर्जा के साथ वापस चले जाते हैं। इसलिए इसको पितृपक्ष कहते हैं और इसी पक्ष में श्राद्ध करने से पित्तरों को प्राप्त होता है।

श्राद्ध का वैज्ञानिक पहलू भी है। वेदों में, दर्शन शास्त्रों में, उपनिषदों एवं पुराणों आदि में हमारे ऋषियों-मनीषियों ने इस विषय पर विस्तृत विचार किया है। श्रीमद्भागवत गीता में भी स्पष्ट रूप से बताया गया है कि जन्म लेने वाले की मृत्यु और मृत्यु को प्राप्त होने वाले का जन्म निश्चित है। यह प्रकृति का नियम है। शरीर नष्ट होता है मगर आत्मा कभी भी नष्ट नहीं होती है। वह पुनः जन्म लेती है और बार-बार जन्म लेती है। इस पुनः जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धदि कर्म का विधान निर्मित किया गया है।

पुराणों में इसके आयोजन को लेकर कई कथाएं हैं। जिसमें कर्ण के पुनर्जन्म की कथा काफी प्रचलित है। हिन्दू धर्म में सर्वमान्य श्री रामचरित में भी श्री राम के द्वारा राजा दशरथ और जटायु को गोदावरी नदी पर जलांजलि देने का उल्लेख है। भरत के द्वारा दशरथ हेतु दशगात्र विधान का उल्लेख भरत कीन्हि दशगात्र विधाना तुलसी रामायण में हुआ है । भारतीय धर्मग्रंथों के अनुसार मनुष्य पर तीन प्रकार के ऋण प्रमुख माने गए हैं- पितृ ऋण, देव ऋण तथा ऋषि ऋण। इनमें पितृ ऋण सर्वोपरि है। पितृ ऋण में पिता के अतिरिक्त माता तथा वे सब बुजुर्ग भी सम्मिलित हैं, जिन्होंने हमें अपना जीवन धारण करने तथा उसका विकास करने में सहयोग दिया। पितृपक्ष में हिन्दू लोग मन कर्म एवं वाणी से संयम का जीवन जीते हैं। पितरों को स्मरण करके जल चढ़ाते हैं। निर्धनों एवं ब्राह्मणों को दान देते हैं।

विष्णु पुराण के अनुसार दरिद्र व्यक्ति केवल मोटा अन्न, जंगली साग, फल और न्यूनतम दक्षिणा यदि वह भी ना हो तो सात या आठ तिल अंजलि में जल के साथ लेकर ब्राह्मण को देना चाहिए या किसी गाय को दिन भर घास खिला देनी चाहिए। अन्यथा हाथ उठाकर दिक्पालों और सूर्य से याचना करनी चाहिए कि हे प्रभु मैंने हाथ वायु में फैला दिये हैं, मेरे पितर मेरी भक्ति से संतुष्ट हों।

अपने पूर्वजों के निमित्त दी गई वस्तुएं सचमुच उन्हें प्राप्त होती हैं या नहीं, इस विषय में कुछ लोगों को संदेह है। हमारे पूर्वज अपने कर्मानुसार किस योनि में उत्पन्न हुए हैं। जब हमें इतना ही नहीं मालूम तो फिर उनके लिए दिए गए पदार्थ उन तक कैसे पहुंच सकते हैं? क्या एक ब्राह्मण को भोजन कराने से हमारे पूर्वजों का पेट भर सकता है? न जाने इस तरह के कितने ही सवाल लोगों के मन में उठते होंगे। वैसे इन प्रश्नों का सीधे-सीधे उत्तर देना सम्भव भी नहीं है। क्योंकि वैज्ञानिक मापदण्डों को इस सृष्टि की प्रत्येक विषयवस्तु पर लागू नहीं किया जा सकता। दुनिया में ऐसी कई बातें हैं। जिनका कोई प्रमाण न मिलते हुए भी उन पर विश्वास करना पड़ता है।

उल्लेखनीय है कि देश में श्राद्ध के लिए हरिद्वार, गंगासागर, जगन्नाथपुरी, कुरुक्षेत्र, चित्रकूट, पुष्कर, बद्रीनाथ सहित कई स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है। लेकिन गया का स्थान उसमें सर्वोपरि कहा गया है। गया में फल्गु नदी के किनारे श्राद्ध कर्म करना सबसे ज्यादा पुण्य प्रदान करने वाला माना जाता है। जो व्यक्ति गया में श्राद्ध करने जाता है उसको पूरे पितृ पक्ष वहीं रह कर श्राद्ध क्रिया पूरी करनी पड़ती है। गया में पिंडदान करने से सात पीढियों का उद्धार हो जाता है। गया जी को विश्व में पितरों की मुक्ति के लिए सर्वश्रेष्ठ तीर्थस्थल माना गया है। गया जी में पूरे साल पिंडदान किया जाता है।

शास्त्रों में पितरों के लिए पितृपक्ष के दौरान पिंडदान करने का अलग महत्व बताया गया है। मान्यता है कि गया जी में श्राद्ध कर्मकांड सृष्टि के रचना काल से शुरू है। वायुपुराण, अग्निपुराण तथा रूढ पुराण में गया तीर्थ का वर्णन है। भगवान ब्रह्मा ने पृथ्वी पर आकर फल्गु नदी में प्रेतशिला पर पिंडदान किया था। त्रेता युग में भी भगवान श्रीराम भी अपने पिता राजा दशरथ के मरणोपरांत फल्गु नदी के तट पर श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान, कर्मकांड को कर पितृऋण से मुक्त हुए थे।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

मैं शब्दों से खेलता हूँ

मैं शब्दों से खेलता हूँ न जाने
क्यों परेशान हो जाते हैं कुछ लोग
मेरी क्या खता है जो लिखता हूँ मैं
अंदर ही अंदर क्यों जल जाते हैं कुछ लोग
जिनकी किस्मत में ही जलना है
वह तो यूँ ही जल जल कर मरते रहेंगे
पीठ पीछे करते रहेंगे दूसरे की बुराई
मुंह पर बहुत तारीफ करते रहेंगे
शब्दों से हमेशा मैं मरहम हूँ लगाता
दुख सुख में सबके काम हूँ आता
कड़वा बोलना फ़ितरत में नहीं मेरी
मीठा बोलकर सबको अपना हूँ बनाता
कौन क्या कहता है परवाह नहीं करता
धुन का पक्का हूँ मैं नहीं डरता
जो अच्छा लगे उसे अपनाता हूँ
झूठे मक्कारों से मैं बात नहीं करता
लिखता रहूंगा जब तक मेरी कलम
में रहेगी जान
कलम ही बन गई है अब मेरी पहचान
दिल में बस एक यही है अरमान
लिखे वही कलम जिससे होता रहे
जन कल्याण

रवींद्र कुमार शर्मा घुमारवीं
बिलासपुर
हिमाचलप्रदेश

वृद्ध के विचार

सुबह-सुबह स्नान करके
बेटा-बहू पितृ आराधना करने लगे।
तो गृह भीतर से ध्वनि आई
मैं श्राद्ध खाने नही आऊँगी
जो खिलाना हो अभी खिला दो
तभी बहू झुंझला उठी
क्रोध में तिलमिला उठी
तुम्हारे खाने में क्या कमी हो रही है?
जो भोर बेला में ही चीख रही हो।
मीठा तुम खाती नही
देह व्यंजन पचाती नही
फिर क्यो झीक-झीक् रही हो?
बूढ़ी माँ सोचने लगी
निज भाग्य को कोसने लगी
वृद्धजनों को नजरअंदाज कर
वो मृत को भोज करा रहे हैं
वाह रे! मूढ़ इंसान
जीवितों को छोड़कर
मूर्दो को व्यंजन खिला रहे हैं
वृद्धों को दुत्कार कर
कर-करके दरकिनार
कटु वचन अपरंपार
कुत्ते-कौवे पर श्रद्धा बहा रहे हैं।
देखो,देखो इन नादानों को
मूर्ख बनकर
अंधभक्ति दिखा रहे हैं।।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

चन्द्रकांत खुंटे क्रांति
जांजगीर-चांपा
छत्तीसगढ़

भोले सियाराम कह जाते

भोले जब हमको मिलते हैं,
राम-राम हम कह देते हैं,
देख हमें भोले मुस्काते,
सियाराम कह जाते हैं।
भोले जब हमको ....
जग के रक्षक हैं ये भोले,
पल-में इत-उत हैं डोले,
प्रेम की गठरी लेकर भोले,
मन में आस जगाते हैं।
भोले जब हमको ....
खुशियों का सब लेन-देन अब,
भोले ही तो करते हैं,
बांट दिया करते हैं सब कुछ,
फिर खुद ही मुस्काते हैं।
भोले जब हमको ....
धुनी रमाए हैं चंदन की,
भोले मंदिर में बैठे,
ध्यान धरा भोले का मैनें,
भोले उठकर संग चल देते।
भोले जब हमको ....
अर्थ मोह में डूब रहे हो,
कुछ तो अपना ध्यान धरो,
भोले की महिमा कुछ गा कर,
जन-जीवन कल्याण करो।
भोले जब हमको ....
श्वांसों की डोरी जब टूटे,
भोले नाम के अक्षर से,
सत्य शिव जीवन का सपना,
पल में तुम साकार करो।
भोले जब हमको

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
गांधीनगर, इन्दौर
मध्यप्रदेश

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

राहुल,प्रिंयंका कर क्या रहे ?

सोचें, कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर। उन्होने प्रधानमंत्री द्वारा कांग्रेस को लगातार करप्ट कहने के बावजूद क्रोनी पूंजीवाद, अदानी, भ्रष्टाचार पर बोलना रोक दिया। ओबीसी और आरक्षण के उस मुद्दे को पकड़ा है जिसका चुनाव के मौजूदा राज्यों में ज्यादा अर्थ नहीं है। उन्होने पिछले महीने संसद के विशेष सत्र से पहले यानी 18 सितंबर से पहले तेलंगाना में एक सभा की। उसके बाद से कांग्रेस के नेता आज तक उस सभा की व्याख्या कर रहे हैं। तेलंगाना में कांग्रेस के लिए अच्छी संभावना है लेकिन अपने को झोंक कर चुनाव लड़ने का जज्बा राहुल-प्रियंका-खडगे में नहीं दिख रहा है। तेलंगाना हो या मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान कांग्रेस नेताओं ने सब कुछ प्रदेश के नेताओं के हवाले छोड़ा हुआ है। प्रदेश के नेता भी पुराने ढर्रे पर लड़ रहे हैं।

कांग्रेस के बड़े नेताओं को लगता है कि अगर सोनिया, राहुल या प्रियंका को चुनाव में झोंका और नहीं जीते तो उनका ब्रांड कमजोर होगा। वे समझ ही नहीं रहे हैं कि ब्रांड पहले ही बहुत कमजोर हो चुका है। अब ब्रांड की प्रतिष्ठा फिर से बहाल करने के लिए जरूरी है कि वे अपने को उसी तरह चुनाव में झोंके, जैसे मोदी अपने को झोंकते हैं। सोचें, जब मोदी को इस बात की परवाह नहीं रहती है कि चुनाव हार गए तो ब्रांड का क्या होगा तो राहुल और प्रियंका को क्यों इसकी चिंता करनी चाहिए? मोदी छोटे से छोटे राज्य में दिन-रात मेहनत करके प्रचार करते हैं। लेकिन राहुल और प्रियंका की चुनिंदा सभाएं होती हैं। क्या इसका एक कारण यह नहीं है कि ये दोनों नेता जिम्मेदारी लेने से बचना चाहते हैं?

उन्होंने प्रदेश के नेताओं को जिम्मेदारी दी है जबकि आगे बढ़ कर खुद जिम्मेदारी लेनी चाहिए। प्रचार को लीड करना चाहिए। इससे जहा गुटबाजी खत्म होती है और कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ता है। अगर आप विपक्ष में हैं तब तो सड़क पर उतर कर संघर्ष करना ही होता है। लेकिन आज की राजनीति में उलटा है। सत्ता में रहते हुए भी मोदी और शाह सड़क पर उतर कर संघर्ष करते हैं और पूरी जिम्मेदारी लेते हैं। मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान के चेहरे पर चुनाव नहीं हो रहा है, मोदी के चेहरे पर हो रहा है। राजस्थान में भी मोदी के चेहरे पर चुनाव हो रहा है तो छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में भी मोदी के चेहरे पर चुनाव हो रहा है। इसमें जोखिम है फिर भी मोदी ऐसी राजनीति कर रहे हैं। क्या ऐसा आत्मविश्वास राहुल, प्रियंका या खड़गे दिखा सकते हैं?

चाहे प्रचार और रैलियों का मामला हो या उम्मीदवारों का चयन करना हो या प्रचार की रणनीति बनानी हो सब पर मोदी की नजर रहती है। जिन राज्यों में चुनाव होने हैं वहां के प्रचार की बात छोड़ें तो उम्मीदवारों के चयन में भी दोनों पार्टियों का फर्क दिख रहा है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने पार्टी के स्तर से फीडबैक लेने के साथ साथ कई एजेंसियों से सर्वे करा कर एक-एक विधानसभा सीट की जानकारी जुटाई है। कहां कौन सा उम्मीदवार कमजोर है, किसकी संभावना बेहतर है, कहां क्या जातीय समीकरण है, यह सब तय किया हुआ है। तभी मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में हारी हुई और कमजोर सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा महीनों पहले कर दी।

-हरिशंकर व्यास-

मुद्रा-इतिहास के अश्वेत पन्ने का अंतिम संस्कार

सच्चे बदलाव उन्नीस-बीस का फ़र्क़ वाले लोग नहीं लाया करते। वह तब आता है, जब सचमुच ख़ालिस दूध से धुला कोई नायक सड़ांध मारते खलनायक को ललकारता है। लोग बुरे में 'कम बुरे' को चुनने के चक्कर में नहीं पड़ते हैं। जब ऐसा मौक़ा आता है तो वे उन्हें फ़ायदा पहुंचाने वाले 'ज़्यादा बुरे' के तंबू में पनाह ले लेते हैं। यही हो रहा है। ईश्वर न करे कि यही होता रहे!

दूध का धुला कोई नहीं है। आज की दुनिया में जब दूध ही दूध का धुला नहीं है तो मैं-आप कहां से दूध के धुले हों जाएंगे? सो, हम सब सपरेटा दूध के धुले हैं। लेकिन ताल ऐसे ठोकते हैं, गोया तन-मन हरिष्चंद्र के डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक अम्ल की बूंदों से सराबोर है। आज के संसार में, फिर उसके समाज में, फिर उसके अर्थतंत्र में और फिर उससे जन्मी सियासत में आख़िर कौन महात्मा गांधी की बकरी के दूध का धुला हो सकता है? मोहनदास करमचंद आज स्वयं भी होते तो उन्हें भी, इस लोकतंत्र को पालने-पोसने के लिए, पता नहीं क्या-क्या पापड़ बेलने पड़ते?

इसलिए किसी नरेंद्र भाई मोदी को, किसी अमित भाई शाह को, किसी शरद पवार को, किसी ममता बनर्जी को, किसी नीतीश कुमार को, किसी लालू प्रसाद यादव को, किसी अरविंद केजरीवाल को, किसी मायावती को या किसी अखिलेश यादव को हम क्यों तो कोसें और क्यों उन्हें लानत-मलामत भेजें? वे सब अपने-अपने तरीके से लोकतंत्र को मजबूत बनाने में जुटे हुए हैं। आज से नहीं, बरसों से जुटे हुए हैं और हम-आप उन्हें जब तक कंधे पर लिए घूमते रहेंगे, वे अपने काम में जुटे रहेंगे।

जब हम ने अपने सर्वगुण संपन्न पुरोहित नरेंद्र भाई द्वारा सुवेंदु अधिकारी, हिमंत बिस्वा सर्मा, मुकुल रॉय, नारायण राणे, पेमा खांडू, छगन भुजबल, अजित पवार, बी.एस. येदियुरप्पा, भावना गवली, प्रताप सरनायक, यशवंत जाधव, यामिनी जाधव, वग़ैरह-वग़ैरह के लिए पढ़े गए 'पवित्रो अपवित्रः' मंत्र जाप के बाद उन सभी को भाजपाई-दूध का धुला मान लिया है तो सत्येंद्र जैन, मनीष

सिसोदिया या संजय सिंह पर तोहमत लगाने का हमें क्या हक़ है? अगर हमारे नरेंद्र भाई सपरेटा दूध के धुले भी होते तो क्या अपने-पराए का ऐसा भेद कर पाते?

2014 की गर्मियों से काफी पहले ही नरेंद्र भाई ने अपने को दूध का धुला प्रचारित करने के लिए कई छवि-निर्माताओं को भाड़े पर ले लिया था। इस प्रचार ने उन्हें अच्छे दिन लाने वाले मसीहा के तौर पर स्थापित कर दिया और वे फुदक कर रायसीना पहाड़ी के सत्ता-वृक्ष की सबसे ऊंची टहनी पर जा बैठे। उनके अनुचर झूमने लगे। फिर सात साल पहले 8 नवंबर 2016 की रात 8 बजे जब उन्होंने नोटबंदी का धमाका किया तो मैं भी झूमने लगा कि अब तो नरेंद्र भाई काले धन और आतंकवाद को नेस्तनाबूत कर के ही दम लेंगे। उन्होंने तब मौजूद 500 और 1000 रुपए के नोट रद्द कर दिए और उनकी जगह 500 और 2000 रुपए के नए नोट जारी करने का ऐलान कर दिया।

तब बाज़ार में 15 लाख 51 हज़ार करोड़ रुपए (यानी डेढ़ सौ खरब रुपए से कुछ ज़्यादा) 500 और 1000 रुपए के नोटों में मौजूद थे। नरेंद्र भाई को अपने लंबे राजनीतिक अनुभव से लग रहा होगा कि इनमें दो-चार लाख करोड़ रुपए का काला धन तो ज़रूर राजनीतिकों और धन्ना सेठों के गोदामों में होगा और अ बवह एक झटके में प्रसार से बाहर हो जाएगा। मगर 99 फ़ीसदी से ज़्यादा रद्द नोट बैंकों में लौट आए। यह कैसे हुआ, कोई इसलिए नहीं जानता कि जो जानते होंगे, वे इतने दूध के धुले नहीं हैं कि किसी को कुछ बताएं।

नरेंद्र भाई के पौरुष से सात साल पहले जन्मे दो हज़ार रुपए के नोट का आज अंतिम संस्कार है। इसलिए मैं इन सात वर्षों की चकरघिन्नी में आपको ले कर ज़रा घूमना चाहता हूं। नोटबंदी के वक़्त दो हज़ार रुपए के क़रीब सात लाख करोड रुपए की कीमत के नोट छापे गए थे। यानी साढ़े तीन अरब नोट छपे। सरकार ने संसद में बताया कि दो हज़ार के एक नोट की छपाई पर तक़रीबन सवा तीन रुपए का खर्च आया। इसका मतलब हुआ कि दो हज़ार रुपए के नोट की छपाई पर ग्यारह-बारह सौ करोड़ रुपए खर्च हुए। काले धन और आतंकवाद से निपटने के लिए यह रकम मामूली है। इससे चार गुनी तो नरेंद्र भाई ने जी-20 के आयोजन पर खर्च कर दी।

2018 के बाद दो हज़ार रुपए के नोटों की छपाई बंद कर दी गई। दो हज़ार का जो नोट बैंक में जमा होता, उसे बाज़ार में वापस भेजना बंद कर दिया गया था। इस तरह तीन-चार लाख करोड़ रुपए के नोट आम-प्रचलन से बाहर कर दिए गए। पिछले चार-पांच साल से तक़रीबन चार लाख करोड़ रुपए की कीमत के दो हज़ार रुपए के नोट प्रचलन में बचे थे। इस साल 19 मई को रिज़र्व बैंक ने इन्हें भी प्रचलन से पूरी तरह बाहर करने का ऐलान कर दिया। इनमें से 99 प्रतिशत के आसपास अब फिर बैंकों में लौट आए हैं। इस तरह सात साल पहले एक मंगलवार को शुरू हुए इतिहास का यह अश्वेत पन्ना देश-दुनिया घूम-घाम कर आज शनिवार के दिन पूरी तरह दफ़्न हो रहा है। इतना अल्पजीवी नोट दुनिया में शायद ही कोई और रहा हो। दो हज़ार रुपए के नोट की लुगदी बन जाने के बाद इसके रहस्यमयी तहखाने पर हमेशा के लिए ताला लग जाएगा।

अब यह मत पूछिए कि डेढ़ सौ खरब रुपए के नोट रातोंरात रद्द कर देने की झौंक के बाद पिछले सात साल में कितना काला धन बाहर आया? यह भी मत पूछिए कि इससे आतंकवाद कितना कम हुआ? सरकार के पास नोटबंदी से इन बातों के सीधे संबंध का कोई हिसाब-किताब नहीं है। आपके लिए इतना जानना ही काफी है कि नोटबंदी के समय नरेंद्र भाई के मंसूबे दूध-धुले थे। वे पूरे हुए तो ठीक। नहीं हुए तो ठीक। किसी प्रधानमंत्री को प्रयोगधर्मी होने से आप रोक नहीं सकते। नरेंद्र भाई की प्रयोगधर्मिता तो वैसे ही हर मामले में बेमिसाल रही है ङ्क आज से नहीं, मगरमच्छ युद्ध के दिनों से। वे आपके प्रश्नवाचक चिह्न के दायरे से परे थे, परे हैं और परे रहेंगे।

दूसरे तो सब अपने-अपने हिस्से का एक लोटा दूध डालेंगे ही, यह सोच कर मैं ने भी जीवन भर हर बार दूध की जगह तालाब में एक लोटा पानी डाला। सो, अब दूध के तालाब के पानी-पानी होने पर मैं कैसे विलाप करूं? जो दूध के धुले हैं और दूध का अपना-अपना लोटा पूरी ईमानदारी से नारायण-सरोवर में अर्पित करते रहे हैं, उन्हें प्रलाप का पूरा हक़ है। लेकिन उनका रुदन भी मुझे तो कहीं सुनाई दे नहीं रहा। वे घुट-घुट कर मन-ही-मन सुबक रहे हों तो मैं नहीं जानता। ऐसे अकेले-अकेले रोने वालों को धिक्कारें न तो क्या करें?

इसीलिए मैं कहता हूं कि अगर देशवासी दूध के धुले होते तो आज पूरा देश, ताल ठोकता न सही, छाती पीटता तो नज़र आता! मगर चूंकि हम सब पाखंडी हैं, इसलिए आडंबर रच कर हमें झक्कू दे रहे किसी एक के ख़िलाफ़ हमारी ज़ुबान हिले तो कैसे हिले? सच्चे बदलाव उन्नीस-बीस का फ़र्क़ वाले लोग नहीं लाया करते। वह तब आता है, जब सचमुच ख़ालिस दूध से धुला कोई नायक सड़ांध मारते खलनायक को ललकारता है। लोग बुरे में 'कम बुरे' को चुनने के चक्कर में नहीं पड़ते हैं। जब ऐसा मौक़ा आता है तो वे उन्हें फ़ायदा पहुंचाने वाले 'ज़्यादा बुरे' के तंबू में पनाह ले लेते हैं। यही हो रहा है। ईश्वर न करे कि यही होता रहे! -

-पंकज शर्मा-

वायु सेना दिवस विशेष

शौर्य की बुलंदी पर भारतीय वायु सेना

नभः स्पृशं दीप्तम' अर्थात आकाश को छूने वाले दीप्तिमान। भारतीय वायुसेना का यह आदर्श वाक्य श्रीमद्भागवद्गीता के ग्यारहवें अध्याय के 24वें श्लोक का भाग है तथा कुरुक्षेत्र की रणभूमि पर महाभारत युद्ध से पूर्व श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गए उपदेश का अंश है। भारतीय वायुसेना की स्थापना ब्रिटिश साम्राज्य के दौर में आठ अक्तूबर 1932 को हुई थी। एक अप्रैल 1933 को कराची में भारतीय वायुसेना की नंबर एक स्क्वाड्रन का गठन किया गया था जिसमें छह भारतीय अधिकारी शामिल हुए थे। उन्हीं अधिकारियों में शामिल 'सुब्रतो मुखर्जी' ने एक अप्रैल 1954 को आजाद भारत के प्रथम भारतीय वायुसेना प्रमुख के रूप में कमान संभाली थी। दूसरी जंगे अजीम से लेकर कारगिल युद्ध तथा कई सैन्य अभियानों में भारतीय वायुसेना महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा चुकी है। द्वितीय विश्व युद्ध में उत्तरी थाईलैंड के मोर्चे पर जापानी सैन्य ठिकानों पर जोरदार हमलों को अंजाम देकर भारतीय वायुसेना के पायलटों ने अपने शौर्य पराक्रम की तस्दीक कर दी थी। भारतीय पायलटों की बहादुरी से प्रभावित होकर बर्तानिया बादशाही ने भारतीय वायुसेना को 'रॉयल' की उपाधि दी थी, मगर आजादी के बाद सन् 1950 में रॉयल शब्द हटा दिया गया था।

भारतीय वायुसेना की स्थापना भले ही 1932 में हुई थी, मगर भारत के चार पायलटों कृष्ण चंद्र वेंलिकर, हरिदत्त सिंह मलिक, एरोल सुवो चंद्र सेन व इंद्र लाल रॉय ने प्रथम विश्व युद्ध में ब्रिटिश वायुसेना का हिस्सा बनकर जंग में अपने जौहर दिखाए थे। प्रथम विश्व युद्ध में दुश्मन के कई फाइटर प्लेन को मार गिराकर फ्लाइट लेफ्टिनेंट इंद्र लाल रॉय 22 जुलाई 1918 को फ्रांस के वेस्टर्न फ्रंट पर शहीद हो गए थे। युद्ध में वीरता का परिचय देकर शहीद हुए इंद्र लाल रॉय को बर्तानिया हुकूमत ने अपने तीसरे प्रतिष्ठित गैलेंट्री अवार्ड 'विशिष्ट फ्लाइंग क्रॉस' (मरणोपरांत) से अलंकृत किया था। इंद्र लाल रॉय 'डीएफसी' सम्मान प्राप्त करने वाले प्रथम भारतीय थे। 30 जून 1918 को कृष्ण चंद्र वेलिंकर भी प्रथम विश्व युद्ध में शहीद हो गए थे। भारत सरकार ने इंद्र लाल रॉय के सम्मान में सन् 1998 में डाक टिकट भी जारी किया था। वायुसेना दिवस के अवसर पर हिमाचल के शूरवीर वायुवीरों का जिक्र करना भी जरूरी है। हिमाचल के रणबांकुरों ने देश रक्षा के महाज पर शूरवीरता के शिलालेख लिखकर पहाड़ के शौर्य को हमेशा सर्वश्रेष्ठ साबित किया है। हिमाचल के साहसी पायलट बलदेव सिंह डोगरा ने सन् 1942 में इंडियन एयर फोर्स में भर्ती होकर दूसरी जंगे अजीम में भाग लिया था। सन् 1947-48 में कश्मीर पर पाक सेना के हमले के दौरान स्क्वाड्रन लीडर बलदेव सिंह डोगरा ने कश्मीर के 'कोहला बाग रोड' पर पाक लाव लश्कर पर जोरदार हवाई हमले करके पाक पेशकदमी को ध्वस्त करके कश्मीर को बचाने में अहम किरदार निभाया था। कश्मीर युद्ध में शूरवीरता का परिचय देने वाले बलदेव सिंह डोगरा को भारत सरकार ने सन् 1950 में 'वीर चक्र' से नवाजा था। सन् 1965 की भारत-पाक जंग में भारतीय वायुसेना का प्रचंड रूप देखने को मिला था। 1965 युद्ध में पाक सेना जम्मू के अखनूर पुल पर कब्जा करने के लिए आगे बढ़ रही थी। युद्ध में पाक थलसेना की पेशकदमी को पाक एयरफोर्स की पूरी मदद मिल रही थी। उस वक्त हिमाचल के जांबाज लड़ाकू पायलट 'वीरेंद्र सिंह पठानिया' ने चार सितंबर 1965 के दिन अपने फॉलैंड ग्नैट जैट के साथ छंब सेक्टर में पाकिस्तानी सेबर जेट को मार गिराकर अखनूर पुल को कब्जा करके कश्मीर फतह का ख्वाब देख रहे पाक सिपहसालारों के अरमानों को ध्वस्त कर दिया था।

-प्रताप सिंह पटियाल-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

पटना क्षेत्र में थम नहीं रहीं चोरी की घटनाएं

चोरों ने पांचवी चोरी की घटना को दिया अंजाम

पांचवीं चोरी की घटना में चोरों ने डीवीआर को भी बनाया निशाना...साथ ले गए दुकान का डीवीआर

चोरी लगातार मुख्य सड़क,मुख्य बाजार,चौक के बीच में कर रहे चोर,चोरों को बिल्कुल भी भय नहीं पुलिस का

पांचवीं चोरी मुख्य चौक के उस जगह से जहां रात में बैठती है पुलिस की गस्ति करने वाली टीम,बैठक स्थल से चोरी के घटना स्थल की दूरी महज चंद कदमःसूत्र

पुलिस की गस्त पर चोर उठा गए पांचवीं बार सवाल,क्षेत्र में चोरों का भय व्याप्त

क्या चार पुलिस थानों के हिसाब से जिले में पुलिस बल की कमी है?

चार पुलिस थानों के हिसाब से जिले में पुलिस बल की कमी भी नहीं नजर आती, जिले स्तर पर पुलिस के जो भी इकाई कार्य करते हैं सभी इकाइयां जिले में कार्य कर रही हैं यहां तक की जिले में एक स्पेशल टीम भी गठित है जो किसी भी थाना क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से कार्य करने गठित है बावजूद इसके चोर जिले में खासकर पटना क्षेत्र में बेखौफ होकर अपना काम कर रहे हैं। जिले के चार पुलिस थानों में से पुलिस थाना पटना एक बड़े क्षेत्र के लिए कानून व्यवस्था सम्हालने का काम करता है इस थाने की सहूलियत के हिसाब से थाना क्षेत्र में ही दो पुलिस सहायता केंद्र भी बनाए गए हैं जो अपना काम करती हैं लेकिन फिर भी चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं जो क्षेत्र वासियों के लिए भय का माहौल निर्मित करने वाला मामला साबित हो रहा है।

गठित स्पेशल टीम में जिले के होनहार पुलिसकर्मी शामिल हैं फिर भी गुथी सुलझाने का नाम नहीं ले रही

जिला पुलिस द्वारा गठित स्पेशल टीम में जिले के होनहार पुलिसकर्मी शामिल हैं और कहा जाता है की वह कोई भी मामला चुटकियों में सुलझा सकते हैं लेकिन चोरी की घटनाओं में उन्हे सफलता नहीं मिल पा रही है और जिसके बाद स्पेशल टीम के गठन पर भी सवाल उठ रहा है और सुपर कॉप जिले के कहां हैं क्यों वह चोरी की घटनाओं पर लगाम नहीं लगा पा रहे हैं लोग इसको लेकर प्रश्नातूर हैं। वैसे चोरों ने हाल फिलहाल में जिस तरह पटना क्षेत्र को अपने लिए आसान लक्ष्य चोरी का बनाया हुआ है उससे लगता है की उन्हे पुलिस का भय खासकर पटना पुलिस का भय तो बिलकुल भी नहीं है वह एक तरह से चुनौती देते नजर आ रहे हैं पुलिस को और पुलिस भी हांथ पर हांथ धरकर अभी फिलहाल बैठी है क्योंकि उसके पास चोरों को लेकर कोई पुख्ता जानकारी फिलहाल नहीं है।

छत की सीट साथ ही सीलिंग उखाड़कर चोरों ने दिया चोरी की घटना को अंजाम,दो दुकानों में इत्मीनान से चोरी कर डीवीआर भी ले गए चोर साथ

पटना मुख्य चौक के पास राष्ट्रीय राज्यमार्ग से लगे हुए दो दुकानों में चोरों ने शनिवार की रात धावा बोला,चोरों ने एक ही साथ सटी हुई दो दुकानों में इत्मीनान से चोरी की घटना को अंजाम दिया,एक दुकान कपड़े की थी एक मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान थी दोनो ही दुकानों में चोरों ने पहले छत की सीट को उखाड़ने का काम किया उसके बाद दुकान के भीतर लगी सीलिंग को उखाड़ा फिर चोरी की। चोरों ने जाते जाते डीवीआर भी अपने साथ ले जाना नहीं भुला। मुख्य चौक के पास स्थित दुकानों में चोरी की घटना घटना काफी बड़ी घटना इसलिए भी मानी जा रही है क्योंकि चोरों ने जिस तरह की हिम्मत दिखाई उससे जाहिर हुआ की उन्हे किसी का भय बिलकुल भी नहीं है।

दो बार की चोरी में चोर सीसीटीवी में भी हुआ कैद, आज तक फिर भी चोर पुलिस की पकड़ से बाहर

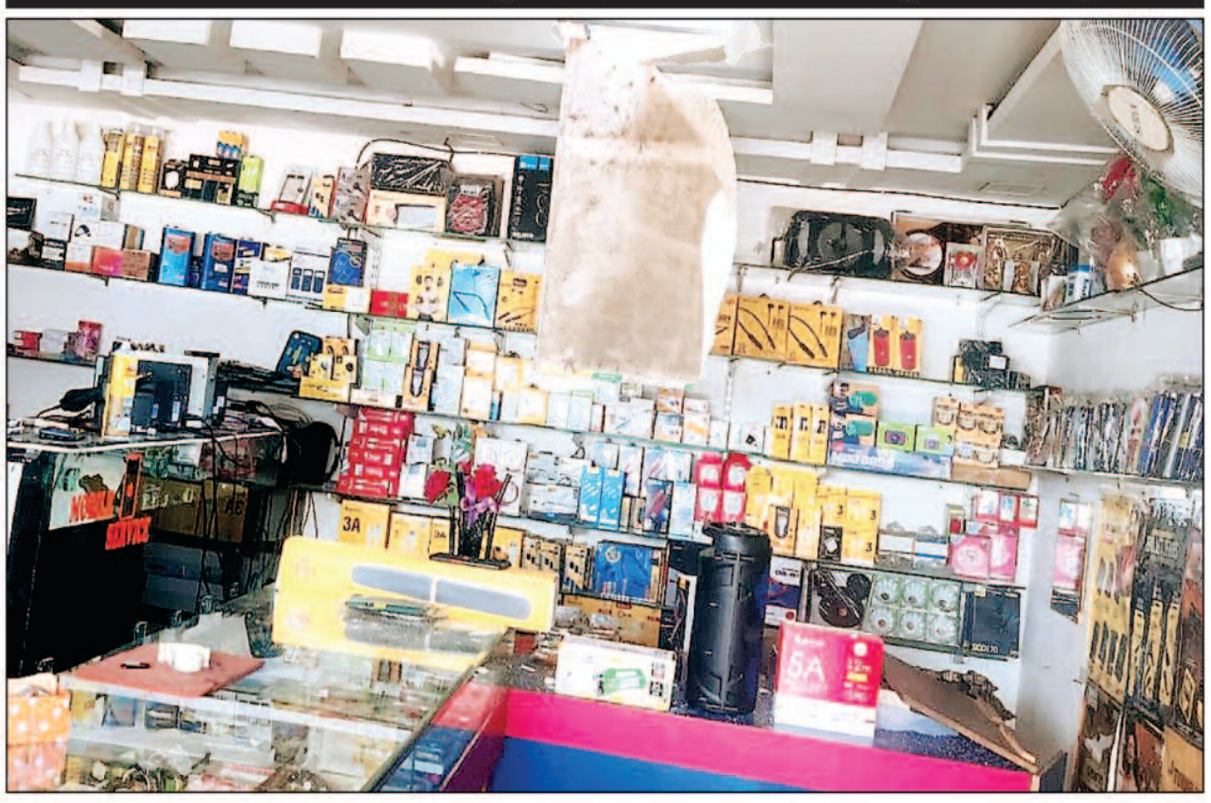

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,08 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के पटना पुलिस थाना क्षेत्र में अज्ञात चोरों की दहशत लगातार जारी है और अब चोरों ने पांचवी चोरी की घटना को अंजाम दिया है और इस बार चोरों ने दो दुकानों को अपना निशाना बनाया है जिसमे एक दुकान कपड़े की दुकान है और दूसरी दुकान मोबाइल रिपेयरिंग की है। दोनो ही दुकानों से दुकानदारों के बताए अनुसार चोरों ने नकद सहित दुकान के सामानों की चोरी की है, जिसमे कपड़ा दुकान संचालक विकास देवांगन की दुकान से 10 हजार नकद सहित हजारों का कपड़ा चोर अपने साथ ले गए हैं वहीं मोबाइल दुकान आर मोबाइल से चोरों ने कुछ नकदी सहित कुछ पुराने मोबाइल पर हांथ साफ किया है जो दुकान में बनने आए हुए थे। चोरों ने पांचवी चोरी की घटना को अंजाम देते समय पुलिस को भी बड़ी चुनौती दी है, क्योंकि इस बार चोरों ने पटना मुख्य चौक जो राष्ट्रीय राज्यमार्ग से भी लगा हुआ है वहां पर चोरी की घटना को अंजाम दिया है वहीं बताया जा रहा है की रात को पुलिस गस्ती दल पटना मुख्य चौक के पास जिस जगह पर बैठकर निगरानी करती है उससे महज़ चंद कदम दूर पर ही यह दो दुकानें स्थित हैं जहां चोरों ने धावा बोलकर चोरी की है। पटना पुलिस थाना क्षेत्र में दो माह के भीतर पांचवी चोरी की घटना है यह, इसके पहले पुलिस थाने से महज चंद कदम दूर चोरों ने धावा बोला था और चोरी की थी वहीं उसके बाद चोरों ने पटना मुर्गा मटन दुकानों में भी धावा बोला था,पांडवपारा क्षेत्र में भी चोरी की घटना घट चुकी है। पहले की दो चोरियों में चोर सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुआ था लेकिन जिले की साथ ही पटना की पुलिस इस चोरी की घटना का सुराग आज तक नहीं लगा पाई है और चोर बेकौफ होकर घटना को अंजाम दे रहे हैं। कोरिया जिला विभाजन के बाद चार पुलिस थानों का जिला रह गया है।

पुलिस गस्त पर उठ रहे सवाल,जहां रात में बैठती है गस्त करने वाली पुलिस टीम वहां से चंद कदम की दूरी पर हुई चोरी की वारदात

लगातार घट रही चोरी की घटनाओं के बाद वहीं एक भी चोरी के मामले में पुलिस को नहीं मिली सफलता के बाद पुलिस गस्त पर सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस गस्त करती भी है की नहीं रात में यह अब लोग आपस में एक दूसरे से पूछ रहे हैं,लोगों के अनुसार शनिवार रात जिन दुकानों में चोरी की घटना घटी उन दुकानों से चन्द कदम की ही दूरी पर पुलिस गस्ती दल रात में बैठकर निगरानी करती है और चूंकि यह सही है तो फिर बगल में ही चोरी हुई यह पुलिस को कैसे नहीं पता चल सका। लोगों का मानना है की पुलिस गस्ती करती है यह तभी देखा गया जब लोग खुद जगे हुए थे,देर रात या पूरी रात वह गस्त करते हैं यह अब लोग मानने तैयार नहीं और उनका मानना है की जब तक लोग जगे रहते हैं हलचल रहती है पुलिस गस्ती करती है देर रात पुलिस लौट जाती है और तब चोरों को मौका मिल जाता है और वह चोरी की घटना को अंजाम दे जाते है।

पांचवीं चोरी दो दुकानों में चोरी की घटना एक साथ अब तक पुलिस के हांथ कोई सुराग नहींःसूत्र

पटना क्षेत्र में शनिवार रात की चोरी की घटना पांचवी घटना मानी गई,इसके पहले चार चोरियों को अंजाम देकर चोर वैसे भी बेखौफ चल रहे थे इस बार उन्होंने ने पांचवी चोरी की है और एक साथ दो दुकानों को निशाना बनाया है। पटना पुलिस वहीं जिले की स्पेशल पुलिस टीम के हांथ फिलहाल कोई सुराग नहीं लगा है चोरी के मामले में उनका हांथ फिलहाल खाली है यह सूत्रों का कहना है। पुलिस टीम मामले को लेकर काफी चिंता में भी है यह भी बताया जा रहा है।

जिन दो दुकानों में हुई है चोरी पुलिस उसके बगल के घर के सीसीटीवी फुटेज की कर रही जांच,फुटेज में एक व्यक्ति दिख रहा संदिग्ध-सूत्र

सूत्रों की माने तो पुलिस जिन दो दुकानों में चोरी हुई है उसके बगल के एक घर की सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। बताया जा रहा है की जिन दो दुकानों में चोरी की गई है वहां के एक दुकान में सीसीटीवी मौजूद था लेकिन चोर ने उसका डीवीआर अपने साथ ले जाना नहीं छोड़ा,अब पुलिस चोर तक पहुंचने पड़ोस के घर के सीसीटीवी का फुटेज खंगाल रही है। वैसे सूत्रों की माने तो पुलिस को सीसीटीवी फुटेज में एक संदिग्ध नजर आ रहा है जो अकेला ही है ऐसा बताया जा रहा है।

एक ही चोर कैद होता आया है सीसीटीवी फुटेज में

वैसे पटना क्षेत्र में हाल फिलहाल में जो चोरी की घटना सामने आई है उसमे कुछ चोरियां सीसीटीवी में भी कैद हुई हैं,वहीं जो सीसीटीवी में चोरियां कैद हुई हैं उनमें एक ही चोर नजर आया है जिसे आज तक पुलिस नहीं पकड़ पाई है।

संसदीय सचिव चिंतामणि महाराज ने 91 लाख का विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए देवरी ग्राम में किया भूमिपूजन

-संवाददाता-
कुसमी,08 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

संसदीय सचिव एवं क्षेत्रीय विधायक चिंतामणि महाराज देवरी ग्राम में भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुये, जहा विधायक ने कुसमी ब्लाक के विभिन्न गांवों के विकास कार्यों के करीब 91 लाख की लागत से विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए भूमि पूजन किया,गौरतलब है की आने वाले कुछ दिनों में विधानसभा चुनाव नजदीक है और अनुमान लगाया जा रहा है की जल्द ही आदर्श आचार सहिता लग जायेगा ,इसलिए विधायक अपने क्षेत्र का भ्रमण कर भूमिपूजन सहित अन्य कार्य कर रहे है,वही जनता के बीच जाकर कांग्रेस सरकार के उपलब्धि भी बता रहे हैं,वही बताया यह भी जा रहा है की विधायक अबतक अपने विधायक निधि से 2 करोड़ 41 लाख कुसमी ब्लाक के विकास के लिए विभिन्न निर्माण कार्य के लिय दिए हैं।

अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के लगातार दूसरी बार जिलाध्यक्ष बने राजेश सोनी

-संवाददाता-
सूरजपुर 08 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े संगठन अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष राकेश प्रताप सिँह एवं प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द शर्मा के निर्देशानुसार राजधानी रायपुर मे एक दिवसीय बैठक रखा गया, जिसमे विभिन्न जिलों एवं तहसीलो से कलमवीरो ने सैकड़ो के संख्या मे एकत्रित हुए जिसमे खासकर संगठन ने पत्रकार सुरक्षा क़ानून को लेकर विशेष चर्चा किया । पत्रकारों के ऊपर फर्जी एफ़आइआर, पत्रकार उत्पीड़न, एवं पत्रकारों कि स्वतंत्रता कि हनन को लेकर गंभीरता से चर्चा किया गया, एवं पत्रकार सुरक्षा क़ानून मे कुछ बिंदु को लागु करने कि मांग भी उठा जिससे वरिष्ठ पत्रकार साथियो ने अपना सहमति देते हुए सभी के विचारानुसार पत्रकार सुरक्षा क़ानून मे बिंदुवार जोड़ने हेतु एक विशाल सम्मेलन राजधानी रायपुर मे रखने कि सहमति दिया है जल्द ही रायपुर राजधानी मे कलमवीरो का हजारों के तादात पर भीड़ जमावड़ा होगा और शासन प्रशासन से अपनी मांगो को लेकर प्रदेश के समस्त पत्रकार रखेंगे. अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति ने प्रदेश स्तरीय संगठन का विस्तार किया। अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के निर्देशानुसार सूरजपुर जिले मे जिलाध्यक्ष पद पर दूसरी बार राजेश सोनी को मनोनीत किया गया साथ ही सूरजपुर से ही कौशलेन्द्र यादव को प्रदेश सचिव पद पर मनोनीत किया गया है. जल्द ही जिला की कार्यकारणी गठन करने के निर्देश दिए गए है. पुरे प्रदेश मे सूरजपुर जिला के टीम की काफ़ी सराहना हुआ। अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के सूरजपुर जिलाध्यक्ष राजेश सोनी ने कहा कि अतिशीघ्र ही सूरजपुर जिले मे संगठन कि विस्तार कर विभिन्न पदों हेतु नियुक्ति कर संगठन को आगे बढ़ाया जाएगा,इस मौके पर राकेश प्रताप सिँह परिहार राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, अब्दुल महफूज खान राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, गोविन्द शर्मा प्रदेश अध्यक्ष, कमलेश स्वर्णकार प्रदेश संयोजक छत्तीसगढ़ राजेश यादव प्रदेश उपाध्यक्ष, क्रांति रावत प्रदेश उपाध्यक्ष, रामेश्वर वैष्णव प्रदेश संगठन मंत्री, नरेश चौहान, रामचन्द्र जायसवाल (पप्पू), प्रशांत पाण्डेय, अशोक जायसवाल,रवि सिंह समेत कलमवीर उपस्थित रहे।

सरगुजा संभाग में कांग्रेस-भाजपा से साहू समाज ने मांगा टिकट

-संवाददाता-
सूरजपुर,08 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

जिले के रेस्ट हाऊस में साहू समाज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस और भाजपा से संभाग में एक सीट पर टिकट की मांग की है। साहू समाज बीते कई वर्षो से सरगुजा संभाग से प्रतिनिधित्व करने का मांग करते रहे हैं।लेकिन समाज को दोनो राजनीतिक दलों ने अवसर नहीं दिया है जबकि आगामी विधानसभा में समाज ने प्रदेश स्तर से लेकर जिला स्तर तक टिकट की मांग करते रहे है। जहां भाजपा ने संभाग की कई सीटों में अपने अधिकृत प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है लेकिन समाज को अवसर नहीं मिला। संभाग के बैकुंठपुर विधानसभा में मजबूत है , यहां समाज के लगभग 26 हजार वोटर है, इसी तरह प्रेमनगर में 36 हजार, भटगॉव में 17 हजार, अम्बिकापुर में 14 हजार, मनेन्द्रगढ़ में 13 हजार, भरतपुर सोनहत में 12 हजार सामाजिक वोटर है। पूरे संभाग में 1 लाख 20 हजार से ज्यादा वोटर है और हम संभाग की हर सीट पर जीत हार तय करते है। उन्होंने कहा कि यदि हमको बैकुंठपुर विधानसभा से बीजेपी टिकट देती है तो हम सब समाज को लेकर इस सीट पर जीत दर्ज करवा कर दिखाएंगे, न सिर्फ बैकुंठपुर बल्कि पूरे संभाग में भाजपा को जीत दिलवाने का पूरा प्रयास करेंगे, पर यदि हमको टिकट नही देती है पार्टी का नुकसान होगा। हो सकता है साहू समाज अपना निर्दलीय प्रत्याशी भी उतार दे, उन्होंने कहा कि अभी समय है दोनो पार्टी हमारे प्रस्ताव पर विचार कर ले, कांग्रेस ने अभी टिकट की घोषणा नही की है यदि कांग्रेस सरगुजा संभाग से हमे एक सीट पर टिकट देती है तो पूरे संभाग की सीटों पर साहू समाज उनका समर्थन करेगा। दोनो राजनीतिक दल इस बात को जान ले। उन्होंने कहा कि ये पहली प्रेस वार्ता है इसका सिलसिला जारी रहेगा और हमारी रणनीति समाज समय समय पर अवगत कराते रहेंगे। उन्होंने कहा कि हमारा किसी भी पार्टी का विरोध नही है। हमारी मांग को दोनो दल समझे और हमारे साथ हमारे समाज की शक्ति को देखते हुए टिकट दे। बीते चुनाव में दो दो मंत्रियों ने हमारी ताकत देख ली है यदि फिर देखना चाहते है तो हम तैयार है। इस दौरान जिला अध्यक्ष जोखन लाल साहू,संभागीय अध्यक्ष गैबी नाथ साहू, संरक्षक मार्तंड साहू,जिला महामंत्री अशोक साहू,महेंद्र साहू,जिला अध्यक्ष युवाप्रकोष्ट सौरभ साहू,प्रवक्ता सुनील साहू,संतोष साहू,तहसील अध्यक्ष मनी प्रताप साहू,निरज साहू ,छोटू साहू,प्यारे साहू सहित साहू समाज के पदाधिकारी एवं वरिष्ठजन उपस्थित थे।

इजराइल-हमास में जंग,सड़कों पर बिछीं लाशें

रॉकेट अटैक से बचने बंकरों में छिपे इजराइली;गाजा में अपनों को तलाश रहे फिलिस्तीनी

जेरूसलम,08 अक्टूबर 2023। इजराइल और हमास की जंग रविवार को दूसरे दिन भी जारी है। शनिवार को हमास ने इजराइल पर 5 हजार रॉकेट से हमला कर लड़ाई की शुरुआत की। इसके बाद इजराइल के PM बेंजामिन नेतन्याहू ने जंग का ऐलान कर दिया। अब इजराइली फाइटर जेट लगातार गाजा पर हमले कर रहे हैं।

एपीपी पर आई तस्वीरों में इजराइल और गाजा की सड़कों पर लाशें बिछी नजर आ रही हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इजराइल में कई बिल्डिंग और घर अब मलबे में तब्दील हो चुके हैं। इजराइल में लोग बमों और गोलियों की आवाज के बीच बंकरों में छिपे हैं। वे अपने परिजन से संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं। इधर, इजराइल के हमलों के बीच गाजा में भी लोग अपनों को तलाश रहे हैं।

इजराइल का आयरन डोम 5 महीने में दूसरी बार फेल

हमले रोकने में यह 94 प्रतिशत कारगर; लेकिन मई में 60 प्रतिशत ही काम कर पाया। 7 अक्टूबर की सुबह हमास ने एक के बाद एक 5000 रॉकेट इजराइल पर दागे। इजराइल का आयरन डोम नाम का एयर डिफेंस सिस्टम इन हमलों को रोक नहीं पाया। ऐसा 5 महीने में दूसरी बार हुआ है जब आयरन डोम फेल हो गया।

10 मई 2023 को जब इजराइल के दक्षिणी इलाके में हमास ने मिसाइलें दागीं, तब भी ये नाकाम हुआ था। हवाई हमलों से बचने के लिए इजराइल ने 2011 में आयरन डोम तैयार किया था। तब इसे दुनिया का सबसे भरोसेमंद एयर डिफेंस सिस्टम बताया गया था। ये भी दावा किया गया था कि इसका सक्सेस रेट 94त्न है।

हमले के वक्त कई बार हार्डवेयर अपने सॉफ्टवेयर से कनेक्ट नहीं हुए

मई में हुए हमले के बाद जांच में पता चला था कि आयरन डोम के हार्डवेयर 2011 के बाद से अपडेट नहीं हुए, जबकि सॉफ्टवेयर में बार-बार अपडेट किए गए। यरुशलम पोस्ट ने भी एक आर्टिकल में दावा किया था कि मई के हमले में आयरन डोम का इंटरसेप्शन सक्सेस रेट सिर्फ 60प्रतिशत था। आयरन डोम पर ब्रॉक यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर माइकल आर्मस्ट्रॉग बताते हैं कि कोई भी मिसाइल सिस्टम पूरी तरह भरोसेमंद नहीं होता। अब हमले का रूप बदल रहा है।

2006 में एडवांस एयर डिफेंस सिस्टम बनाने की घोषणा हुई थी

इजराइली फर्म राफेल एडवांस डिफेंस सिस्टम और इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्री ने बनाया है। 2006 के इजराइल-लेबनान युद्ध के दौरान हिजबुल्लाह ने इजराइल पर हजारों रॉकेट दागे थे। इसके बाद इजराइल ने नया एडवांस एयर डिफेंस सिस्टम बनाने की घोषणा की, जो उसके लोगों और शहरों की रक्षा करे। इसी के तहत इजराइल ने आयरन डोम को डेवलप किया। और 2011 में ये पहली बार सर्विस में आया।

इस सिस्टम को बनाने में अमेरिका ने इजराइल को तकनीकी और आर्थिक मदद दी है। इस शॉर्ट रेंज ग्राउंड-टू-एयर, एयर डिफेंस सिस्टम में रडार और तामिर इंटरसेप्टर मिसाइल है, जो किसी भी रॉकेट या मिसाइल को ट्रैक करके उसे रास्ते में ही तबाह कर देती है। जिस तरह अभी गाजा से दागे गए रॉकेट को इस सिस्टम ने नष्ट किया। मीडियम और लॉन्ग रेंज थ्रेट के लिए दो अलग सिस्टम काम करते हैं। इन्हें डेविड्स स्लिंग और ऐरो कहा जाता है। इससे रॉकेट, आर्टिलरी और मोर्टार के साथ-साथ विमान, हेलिकॉप्टर और मानव रहित हवाई वाहनों का मुकाबला किया जा सकता है।

इस सिस्टम को लगाने में खर्च कितना आता है?

इस सिस्टम के यूनिट की कीमत 50 मिलियन डॉलर (करीब 368 करोड़ रुपए) होती है। वहीं, एक इंटरसेप्टर तामिर मिसाइल की कीमत करीब 80 हजार डॉलर (59 लाख रुपए) होती है। वहीं, एक रॉकेट 1 हजार डॉलर (करीब 74 हजार रुपए) से भी कम का होता है। इस सिस्टम रॉकेट को इंटरसेप्ट करने के लिए दो तामिर मिसाइलें लगी होती हैं।

एक्सपर्ट्स इसे कम खर्चीला मानते हैं क्योंकि ये तभी चलाया जाता है जब किसी रॉकेट से इंसान की जिंदगी या किसी अहम इन्फ्रास्ट्रक्चर को खतरा होता है। इस वजह से कम इंटरसेप्टर की जरूरत पड़ती है। हालांकि इजराइल में ही सरकार के आलोचकों का कहना है कि सरकार इस सिस्टम पर बहुत ज्यादा निर्भर हो गई है। उसे दूसरे डिफेंस सिस्टम पर भी काम करने की जरूरत है।

अमेरिका में अक्षरधाम मंदिर ने की यूएन के राजदूतों और प्रतिनिधिमंडलों की मेजबानी

न्यू जर्सी 08 अक्टूबर 2023। अमेरिका के न्यू जर्सी के रॉबिन्सविले में स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर का उद्घाटन हो गया है। स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर ने संयुक्त राष्ट्र के राजदूतों और प्रतिनिधियों के मंडल की मेजबानी की।इस यात्रा में कंबोडिया, इरिट्रिया, ग्रेनेडा, गुयाना, कजाकिस्तान, लाइबेरिया, मलावी, मोरक्को, नेपाल, श्रीलंका, सेंट विसेंट और ग्रेनेडाइंस, तिमोर लेस्ते, मंगोलिया, दक्षिण अफ्रीका, मालदीव के नेता एक साथ आए। साथ ही इसमें पोलैंड, कोस्टा रिका, ब्राजील, लेबनान और भूटान और संयुक्त राष्ट्र के आतंकवाद निरोध कार्यालय के प्रतिनिधिमंड भी शामिल हुए। कंबोडिया की महामहिम सोफिया ईट, इरीट्रिया की महामहिम सोफिया टेसफामरियम, ग्रेनाडा के महामहिम चे आजमू फिलिप, गुयाना की महामहिम कैरोलिन रोड्रिग्स-बिरकेट, कजाकिस्तान के महामहिम अकान रख्मेतुलिन, लाइबेरिया की महामहिम सारा सफीन फिनेह, मलावी की महामहिम एग्नेस मैरी चिम्बिरी मोलांडे, मोरक्को के महामहिम उमर हिलाना, नेपाल के महामहिम लोक बहादुर थापा, श्रीलंका के महामहिम मोहन पियरिस, सेंट विंसेंट और ग्रेनाडाइन्स की महामहिम इंगा रोंडा किंग, तिमोर लेस्ते के महामहिम कार्लिटो नून्स, मंगोलिया के महामहिम एनखबोल्ड वोर्शिलोव, दक्षिण अफ्रीका की महामहिम माथु जोयिनी और मालदीव की राजदूत महामहिम हला हमीद सहित इन सम्मानित राजनयिकों की उपस्थिति ने शांति, एकता और सांस्कृतिक संरक्षण के सार्वभौमिक संदेश को रेखांकित किया, जिसका अक्षरधाम प्रतिनिधित्व करता है। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाली भारत की राजदूत रुचिरा कंबोज ने अपने साथी राजदूतों और प्रतिनिधियों को यह अनूठा अवसर प्रदान किया है।

अफगानिस्तान में भूकंप से 2000 से ज्यादा की मौत

हेरात के 6 गांव पूरी तरह तबाह हुए,3 घंटे में 6 आफ्टर शॉक आए

हेरात,08 अक्टूबर 2023। अफगानिस्तान में शनिवार दोपहर को आए 6.3 तीव्रता के भूकंप में मरने वालों का आंकड़ा 2,053 के पार हो गया है। वहीं, घायलों की संख्या 9,000 के पार चली गई है। भूकंप की वजह से लगभग 6 गांव नष्ट हो गए हैं और सैकड़ों नागरिक मलबे के नीचे दब गए हैं। 3 घंटे के अंदर यहां 6 आफ्टर शॉक भी आए थे। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के हेरात शहर से करीब 40 किमी की दूरी पर था।

अलजजीरा के मुताबिक, अफगानिस्तान की इन्फॉर्मेशन मिनिस्ट्री के प्रवक्ता अब्दुल वाहिद रेयान ने कहा कि हेरात में भूकंप से मरने वालों का आंकड़ा बताई गई संख्या से ज्यादा है। उन्होंने मलबे में फंसे लोगों की मदद करने की अपील की है।

अफगानिस्तान में भूकंप से 465 घर तबाह

तालिबान के प्रवक्ता सुहैल शाहीन ने भी हूबहू से लोगों के लिए जल्द से जल्द टेंट, खाना और दवाइयों की मांग की है। वहीं मानवीय मामलों के लिए बने हू ऑफिस के एक अपडेट में कहा गया है कि 465 घर तबाह हो गए हैं। इसके अलावा 135 घरों को नुकसान पहुंचा है।

अफगानिस्तान के समय के मुताबिक, भूकंप शनिवार सुबह करीब 11 बजे (भारतीय समय से 12 बजे) आया था। शुरुआती दौर में मरने वालों की संख्या 100 ही बताई गई थी। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, अफगानिस्तान में आए आफ्टर शॉक्स की तीव्रता 4.6 से 6.3 के बीच रही।

2022 के भूकंप में मारे गए थे 1 हजार लोग

इससे पहले अफगानिस्तान में 14 सितंबर को भी 4.3 तीव्रता का भूकंप आया था। मार्च में अफगानिस्तान में आए भूकंप में करीब 13 लोगों की मौत हो गई थी। इसमें 300 लोग घायल हुए थे। अफगानिस्तान में आखिरी बड़ा भूकंपी जून 2022 में आया था। इसकी तीव्रता 6.1 रही थी। पक्तिका प्रान्त में आए भूकंप में करीब हजार लोगों की मौत हुई थी। वहीं 1500 लोग घायल हो गए थे।

क्यों आता है भूकंप?

भूगर्भ वैज्ञानिकों के मुताबिक, भूकंप की असली वजह टेक्टोनिकल प्लेटों में तेज हलचल होती है। इसके अलावा उल्का प्रभाव और ज्वालामुखी विस्फोट, माइन टेस्टिंग और न्यूक्लियर टेस्टिंग की वजह से भी भूकंप आते हैं। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता मापी जाती है। इस स्केल पर 2.0 या 3.0 की तीव्रता का भूकंप हल्का होता है, जबकि 6 की तीव्रता का मतलब शक्तिशाली भूकंप होता है।

ऐसे लगाते हैं भूकंप की तीव्रता का अंदाजा

भूकंप की तीव्रता का अंदाजा उसके केंद्र (एपिसेंटर) से निकलने वाली ऊर्जा की तरंगों से लगाया जाता है। सैकड़ों किलोमीटर तक फैली इस लहर से कंपन होता है। धरती में दरारें तक पड़ जाती हैं। भूकंप का केंद्र कम गहराई पर हो तो इससे बाहर निकलने वाली ऊर्जा सतह के काफी करीब होती है, जिससे बड़ी तबाही होती है।

इजराइल में हमास के हमले के बाद 12 नेपाली छात्र लापता

विदेश मंत्री एनपी सऊद ने हताहत होने की जताई आशंका

काठमांडू। इजरायल और हमास के बीच जारी युद्ध में अबतक सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, इजरायल में ताबड़तोड़ आतंकी हमलों के बाद कई देशों के नागरिकों के यहां के संवेदनशील इलाकों में फंसने की आशंका है। इसी बीच, नेपाल के विदेश मंत्री एनपी सऊद ने 8 अक्टूबर (रविवार) को कहा कि इजराइल के दक्षिणी हिस्से में पढ़ रहे 12 नेपाली छात्र लापता हैं।

छात्रों का नहीं मिल रहा कोई सुराग: एन पी सऊद

विदेश मंत्री एन पी सऊद ने बताया कि नेपाली छात्रों का कोई सुराग नहीं मिल रहा है। उनके हताहत होने की आशंका है। आतंकवादी संगठन हमास ने 8 अक्टूबर (शनिवार) की सुबह गाजा पट्टी से इजराइल पर ताबड़तोड़ रॉकेट हमले किए। यह हमला इतना जोरदार था कि आकाश, जमीन और समुंद्र हर तरफ से सिर्फ डरावनी आवाजें सुनाई देने लगीं।

विदेश मंत्री सऊद ने रविवार को संसद को बताया

यह कमेटी लगातार स्थिति की निगरानी करेगी और नेपाली नागरिकों के सामने आने वाली स्थितियों का मूल्यांकन करेगी। इसके अलावा, यह बचाव कार्यों के संबंध में आवश्यक निर्णय लेने साथ प्रभावी ढंग से समन्वय और सहयोग करेगी।

मनकामना मंदिर क्षेत्र के होटलों को बाल श्रम समाप्त करने का आदेश दिया गया

काठमांडू,08 अक्टूबर 2023। गोरखा में मनकामना मंदिर के आसपास के होटलों को बाल श्रम का उपयोग बंद करने के लिए कहा गया है। निगरानी के दौरान, क्षेत्र के कुछ होटलों और भोजनालयों में कम उम्र के श्रमिकों को नियुक्त करते हुए पाया गया। शहीद लाखन ग्रामीण नगर पालिका की उपाध्यक्ष इंदिरा तिवारी, जो स्थानीय सरकार की बाजार निगरानी टीम की समन्वयक हैं, के अनुसार, इसी तरह, कुछ होटलों और किराने की दुकानों में बिक्री की तारीखों की समाप्ति तिथि वाले उत्पाद थे।

यहां की स्थानीय सरकार ने त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए बाजारगोरखा में मनकामना मंदिर की निगरानी तेज कर दी है। त्योहारों के दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट और समय सीमा समाप्त हो चुके उत्पादों की आपूर्ति सहित बाजार में अनियमितताएं संभावित रूप से अधिक होती हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य की चिंता को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण नगर पालिका के अंदर होटलों और दुकानों की निगरानी की जा रही है। बताया जाता है कि निगरानी विशेष रूप से वार्ड नंबर 2 और 3 पर केंद्रित थी. अधिकांश आउटलेट बाजार के मानदंडों और मूल्यों का पालन नहीं करते पाए गए। उनके पास कोई मूल्य सूची नहीं है, वे स्थानीय सरकार में पंजीकृत नहीं हैं, और समाप्ति तिथि वाले कोल्ड ड्रिंक और पेय पदार्थों की आपूर्ति कर रहे हैं।

भूस्खलन से किमरोंगखोला झील का निर्माण अवरुद्ध

गंगटोक,08 अक्टूबर 2023। अन्नपूर्णा ग्रामीण नगर पालिका में किमरोंगखोला भूस्खलन से अवरुद्ध हो गया है। वार्ड अध्यक्ष हिम बहादुर गुरुंग ने कहा कि अन्नपूर्णा-11 में स्थानीय नदी भूस्खलन के कारण झील बन गई है। उन्होंने बताया कि खतरा अभी भी बना हुआ है क्योंकि आज सुबह 11 बजे से पानी का बहाव शुरू हो गया है। उन्होंने कहा, किमरोंगखोला कल रात भूस्खलन से अवरुद्ध हो गया था। पानी का कुंड 15 घंटे के बाद बहना शुरू हुआ। हमने सभी को सतर्क रहने के लिए कहा है क्योंकि अगर यह अचानक फट गया तो नुकसान होने की संभावना है।÷ किमरोंगखोला वार्ड-7 और 11 के झिनोदंडा से होकर मोदी नदी में गिरती है। ग्रामीण नगर पालिका के प्रवक्ता भरत मान गुरुंग ने कहा, मोदी नदी के आसपास अन्नपूर्णा-11, 10, 8 और 7 नदी के किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क और सुरक्षित रहने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि नदी अवरोध की जानकारी संबंधित वार्डों के जन प्रतिनिधियों, बिरेथन्ती और नयापुल में पुलिस चौकियों और स्थानीय लोगों को भेज दी गई है।

नवंबर में मिल सकते हैं बाइडेन-जिनपिंग

वाशिंगटन 08 अक्टूबर 2023। चीन रिश्तों को ट्रैक पर लाने की कोशिश करेंगे; जानिए 4 विवाद जो दोनों देशों को दोस्त नहीं बनने देते,अगले महीने यानी नवंबर में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और चीन के प्रेसिडेंट शी जिनपिंग की मुलाकात हो सकती है। द वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, दोनों लीडर्स की मीटिंग सैन फ्रांसिस्को में हो सकती है। फिलहाल इसकी प्लानिंग की जा रही है। कुछ भी कन्फर्म नहीं है।इस मुलाकात को दोनों देशों के रिश्तों को ट्रैक पर लाने के नजरिए से अहम माना जा रहा है। व्हाइट हाउस के एक सीनियर अफसर ने कहा- आने वाले समय में चीन के विदेश मंत्री अमेरिका के दौरे पर जाने वाले हैं इसके बाद ही बाइडेन और जिनपिंग की मुलाकात की जानकारी साफ तौर पर मिल पाएगी।

चर्चा में मतभेदों पर ज्यादा फोकस रहेगा

अमेरिका और चीन के बीच ह्यूमन राइट्स, इकोनॉमी और टेक्नोलॉजी से जुड़े कई मसले हैं जिन पर मतभेद हैं। इन पर चर्चा हो सकती है। जानिए 4 विवाद जो अमेरिका और चीन को दोस्त नहीं बनने देते...

1. साउथ चाइना सी में चीन की दादागीरी

साउथ चाइना सी में चीन की दादागीरी अमेरिका को कभी रास नहीं आई। दोनों देश इस मसले पर कई बार एक दूसरे को धमका भी चुके हैं। दोनों देशों की सेनाएं इस इलाके में एक्सरसाइज करती हैं। इस वजह से उनमें टकराव की स्थिति बन जाती है।

चीन का कहना है कि साउथ चाइना सी से अमेरिका का कोई लेना-देना नहीं है। वहीं, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के एडमिनिस्ट्रेशन ने तो यहां तक कहा था कि साउथ चाइना सी पर पूरी दुनिया का हक है।

2. ताइवान पर चीन के कब्जे का डर

दक्षिण एशिया में अमेरिका ताइवान को मदद देकर चीन को काबू में रखने की रणनीति पर चलता है। 1949 में ताइवान चीन से अलग होकर नया देश बना था। चीन इस पर अपना कब्जा जताता है। इस लड़ाई में अमेरिका ताइवान के साथ है। वह उसे हथियार समेत हर मुमकिन मदद देने का वादा कर चुका है। बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन में संसद की पूर्व स्पीकर नैंसी पेलोसी ताइवान की राजधानी ताइपेई पहुंची थीं। चीन इससे गुस्से में आ गया था।वहीं, ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग-वेन तो चीन की धुर विरोधी मानी जाती हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल में वन चाइना पॉलिसी को मानने से मना कर दिया। इसके बाद चीन ने ताइवान से सभी तरह के संबंध तोड़ लिए थे। लेकिन चीन हमेशा से ताइवान को अपना हिस्सा मानता रहा है।

क्या अवैध कारोबार में संलिप्त भाजपा नेता का जिला भाजपा ने किया प्रमोशन मंडल अध्यक्ष से बनाया जिला मंत्री ?

क्या एमसीबी भाजपा भटक रही है अनुशासन के रास्ते से ?, जिलाध्यक्ष का आदेश तो नहीं दिखा पर सोशल मीडिया पर बधाई का दौर जारी

वहीं कोयले व कबाड़ के अवैध कारोबार के खिलाफ जिस भाजपा नेता ने मुहिम छेड़ी उसी से ही पूरी पार्टी नाराज क्यों ?

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,08 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

भाजपा जो अनुसाशन के मामले में अपनी ख्याति रखती है और माना जाता है की वहीं भाजपा खुद कहती है की पार्टी में अनुशासन ही सबसे पहली प्राथमिकता है उसके बाद ही कुछ पार्टी में स्वीकार है वहीं कई बार भाजपा ने अपने निर्णयों से यह बताया जताया भी है की पार्टी अनुशासन तोड़ने वालों के साथ बिल्कुल भी नहीं है कतई नहीं है और ऐसे लोगों को पार्टी ने बाहर का रास्ता भी दिखाया है वहीं एमसीबी जिले के चिरमिरी मंडल अध्यक्ष मामले में भी पार्टी ने अनुशासन प्रथम का उदाहरण पेश किया था और जिस मंडल अध्यक्ष पर अवैध कारोबार में संलिप्त रहने का आरोप लगा था जिसका बकायदा ऑडियो भी जारी हुआ था जिसमे मंडल अध्यक्ष तत्कालीन ने खुद स्वीकार किया था की वह अवैध कार्यों में व्यापार में संलिप्त हैं और पार्टी ने उसी आधार पर नए मंडल अध्यक्ष की नियुक्ति कर दी थी पुराने की छुट्टी कर दी थी।

मंडल अध्यक्ष पर कार्यवाही करके एमसीबी भाजपा ने पार्टी के अनुशासन प्रथम सिद्धांत के पालन में कोई कसर नहीं छोड़ी थी वहीं हाल फिलहाल में पता चल रहा है की जिस मंडल अध्यक्ष को गंभीर आरोप लगने उपरांत हटा दिया गया था पद से उसे पुनः पार्टी में पद दे दिया गया है और जिला मंत्री पद से उन्हे नवाजा गया है। मंडल अध्यक्ष पद से गंभीर आरोप लगने उपरांत छुट्टी किए जाने के बाद पुनः जिला मंत्री बनाए जाने को एक तरह से पदोन्नति माना जा रहा है और यह माना जा रहा है की एमसीबी जिले में भाजपा अनुशासन का रास्ता शायद छोड़ चुकी है भूल चुकी है और इसीलिए पद से आरोप लगने उपरांत हटाए गए भाजपा नेता को पुनः पद दे दिया गया है। वैसे मंडल जिला मंत्री बनाए जाने को लेकर कोई आधिकारिक बयान या कोई नियुक्ति पत्र जारी हुआ है इसकी पुष्टि दैनिक घटती घटना नहीं करता लेकिन सोशल मिडिया पर बधाई का दौर जारी है जिसको लेकर यही कयास लोग लगा रहे हैं की हो न हो पुनः बहाली हो चुकी है।

सोशल मीडिया में महामंत्री बनाए जाने को लेकर बधाई का दौर जारी,नियुक्ति पत्र पार्टी का अभी सार्वजनिक हुआ है लगता नहीं

वैसे पूर्व मंडल अध्यक्ष को भाजपा ने महामंत्री बनाया है या नहीं बनाया है इसको लेकर कोई अधिकारिक नियुक्ति पत्र पार्टी का समाने नहीं आया है लेकिन सोशल मीडिया पर बधाई का क्रम जारी है और माना जा रहा है की नियुक्ति की जा चुकी है। वैसे नियुक्ति किसने की किस आधार पर की और किस दबाव की वजह से नियुक्ति की गई यह बातें तब स्पष्ट हो सकेंगी जब नियुक्ति पत्र सामने आ सकेगा।

अपनी पार्टी से नाराज है यह वरिष्ठ नेता

प्रदीप सालुजा भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्य समिति सदस्य ने कहा की शीर्ष नेतृत्व अब कार्यकर्ताओ को ये बात स्पष्ट रूप से बताये की कोयला, कबाड़, सट्टा का विरोध करना है या नहीं क्योकि सिर्फ दर बढ़ाने के लिए प्रदर्शन नाम मात्र के साढ़े चार साल में हुए है? भाजपा के देवतुल्य कार्यकर्ताओ आप गेम बाज़ नेताओं से पूछिए की साढ़े चार साल वर्तमान विधायक की जितनी भी कमियां थी वो अभी अभी किस देवता के सपना देने के कारण आप के अंदर अभी जागृत हुई है, बाकी समय क्यों सोये हुए थे, आज आप जैसे गेम बाज़ नेताओ की चाल बाज़ी को छोटा और पार्टी के लिए मर मिटने वाला कार्यकर्ता समझ नही पाता और निश्छल होकर सत्ता पक्ष के खिलाफ आवाज उठाता है और आप बड़े नेता बनकर कबाड़ियों कोयला माफिया से सिर्फ अपना रेट बढ़वाते हो और कार्यकर्ता ठगा सा रह जाता है सब सच सामने आता है तो कार्यकर्त्ता आहत हो जाता है कार्यकर्ता अपनी जान मरवाने के लिए पार्टी के आदेश के साथ गद्दारी करने वाले नेताओं से क्यो ना सतर्क रहें? कार्यकर्त्ता कबाड़ियों या कोल माफिया के खिलाफ आवाज उठाइयेगा और वायरल ऑडियो में माफिया जब एक शराब मांगने वाले से कह रहा है कि फलाने नेता ज्ञापन देने के लिए कह रहा था तो दारू का लालची नेता कैसे बोल रहा है, नही नही कोई ज्ञापन नही देंगे आप चिंता मत करो मेरी बात हो गयी है, क्यो की लंबी रकम के लेन देन की बात भी आप ऑडियो में सुन ही लिए होंगे और कोई भी कार्यकर्ता चाहे उसकी माँ जिंदा हो या स्वर्गवासी हो गयी हो उसे भी गन्दी गन्दी गाली बकेगा ओ भी दो बोतल मांगने वाला शराबी किसी की स्वर्गीय माँ को गाली देने लगेगा, ये शराब के लिए पार्टी को गिरवी रख देंगे लेकिन आपकी सुरक्षा नही करेंगे, साथ ही साथ उस ऑडियो में कोयला माफिया सरदार कह रहा है कि 4950 रुपये का तेल मैने भी कार में भराया है और दो बोतल शराब मांगने वाला कैसे अपमानित होगे?

महामंत्री बनाए गए मंडल अध्यक्ष पद से हटाए गए भाजपा नेता,क्या अनुशासन की बात भूल गई भाजपा

चिरमिरी के पूर्व मंडल अध्यक्ष जिन्हे एक आरोप के बाद पद से हटाया गया था उन्हे कुछ दिनों बाद ही महामंत्री पद से नवाजा गया है जैसी की सूचना मिल रही है। मंडल अध्यक्ष पद से हटाकर कुछ दिनों बाद महामंत्री बनाए जाने के मामले में लोगों का कहना है की यह एक प्रमोशन है। भाजपा अनुशासन के रास्ते से भटक गई है यह भी लोग कह रहे हैं। भाजपा अनुशासन की बात यदि मानती और अनुशासन सही मायने में पार्टी में होता गंभीर आरोप वह भी अवैध कारोबार में संलिप्तता के आरोप पश्चात वह आरोप से घिरे किसी नेता की वापसी पद प्रतिष्ठा प्रदान कर नहीं कराती पार्टी में यह भी लोगों का कहना है।

अवैध कारोबार को लेकर वर्तमान कांग्रेस पार्टी विधायक पर हमलावर है भाजपा एमसीबी,ऐसे में अवैध कारोबार में संलिप्तता के आरोपी भाजपा नेता को पुनः पद देना सवालों के घेरे में

भाजपा एमसीबी या यह कहें चिरमिरी मंडल वर्तमान में वर्तमान कांग्रेसी विधायक को अवैध कारोबार मामले में लगातार घेरती नजर आती है।वहीं विधायक पर अवैध कारोबार को संरक्षण देने का आरोप लगाती रहती है। वहीं पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा चिरमिरी पर आरोप कोई मौखिक नहीं लगाए गए थे अवैध कारोबार को लेकर उनके खुद की आवाज का एक ऑडियो वायरल हुआ था जिसमे वह अवैध कारोबार करते हैं यह साबित हुआ था जिस कारण ही पार्टी ने उन्हें बाहर का रास्ता दिखाया था। अब पुनः उनकी घर वापसी कराने के बाद भाजपा कैसे किसी और पर अवैध कारोबार को लेकर हमलावर होगी यह बड़ा सवाल है वहीं भाजपा नेता की पुनः ससम्मान घर वापसी मामले से यह भी सवाल उठ रहा है की क्या भाजपा अवैध कारोबार मामले को आगे सामने नहीं रखने वाली,क्या अब सत्तापक्ष को घेरने के लिए यह उनका मुद्दा नहीं। वैसे माना यह भी जा रहा है की चिरमिरी में कार्यवाही भाजपा यदि करने बैठ जाए उनके कई नेता कार्यवाही के जद में आ जायेगे कई को उन्हे बाहर का रास्ता दिखाना पड़ सकता है।

जिस भाजपा नेता ने कोयला कबाड़ जैसे अवैध कारोबार के खिलाफ छेड़ रखी थी जंग उसी से शेष भाजपा नेता नाराजःसूत्र

बताया यह भी जा रहा है की चिरमिरी में जिस भाजपा नेता ने अवैध कारोबार मामले में जंग छेड़ रखी थी उसी से शेष भाजपा नेता नाराज हैं, इसकी वजह जो बताई जा रही है उसके अनुसार अवैध कोयला कबाड़ कारोबार चिरमिरी क्षेत्र का मुख्य कारोबार बन चुका है। अब यह कारोबार कौन कौन करता है किस किस की इसमें संलिप्तता है वह बड़ा गंभीर मसला हो चुका है क्योंकि अधिकांश के लिए यही बेहतर आय का जरिया है और यही वजह है की ज्यादातर लोग इस मामले में विरोध का विरोध करते हैं। यह भी सूत्रों का कहना है।

चिरमिरी मंडल अध्यक्ष को ऑडियो वायरल होने उपरांत हटाया गया था

एमसीबी जिले के चिरमिरी भाजपा मंडल अध्यक्ष को कुछ दिनों पहले भाजपा जिला अध्यक्ष ने पद से हटा दिया था और पूर्व महापौर को इसकी जिम्मेदारी प्रदान की थी,चिरमिरी मंडल अध्यक्ष जिन्हे भाजपा ने पद से हटाया था उनका एक ऑडियो वायरल हुआ था जिसमे यह साबित हुआ था की उनकी संलिप्तता अवैध कार्यों में है और वह लगातार अवैध कार्यों में संलिप्त हैं। वायरल ऑडियो की पुष्टि तो दैनिक घटती घटना नहीं करता लेकिन वायरल ऑडियो में आवाज तत्कालीन मंडल अध्यक्ष का था और जिससे साबित हुआ था की उनकी संलिप्तता अवैध कार्यों में थी और इसी वजह से उन्हे हटाया गया था पद से जो बात सामने भी आई थी। तत्कालीन मंडल अध्यक्ष को लेकर वायरल किए गए ऑडियो को कुछ भाजपा नेताओं ने भी सच कहा था और पार्टी को पत्र लिखकर मंडल अध्यक्ष पर कार्यवाही की मांग की थी जिसकी वजह से ही कार्यवाही हुई थी उन्हें हटाया गया था माना गया था।

जिला कोरिया नहरू युवा केंद्र संगठन युवा अधिकारी पवन गुप्ता के मार्ग दर्शन में किया प्रदर्शन

राज्य स्तरीय कविता लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर अलीशा ने जिले को किया गौरवान्वित

राजधानी रायपुर के रावतपुरा सरकार विश्व विद्यालय प्रांगण में जुटे रहे राज्य भर के युवा

ये रहे विजेता

काव्य लेखन

फर्स्टः अलीशा शेख, कोरिया

सेकेंडः द्रोणाचार्य साहू,गरियाबंद ,

थर्ड : ज्योति साहू, रायगढ़

फर्स्टः मिथिलेश बारीक महासमुंद

सेकेंडः उमेश कुमार, सुकमा

थर्डः शुभम पटेल, चांपा

फोटोग्राफी कॉम्पीटिशन

फर्स्टः प्रीतम देवांगन, महासमुंद

सेकेंडः राहुल नागवंशी, कांकेर थर्डः अभिषेक सोनी, रायगढ़

लोकनृत्य

फर्स्टः मांदरी नाचा पार्टी, नारायणपुर

सेकेंडः कर्मा नाचा पार्टी, धमतरी

थर्डः सुआ नाचा, राजनांदगांव

भाषण

फर्स्टः गुलाब सिंह वर्मा, धमतरी

सेकेंडः बुशरा फातिमा, सूरजपुर

थर्डः निधि राजवाड़े, कोरबा

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,08 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

बैकुण्ठपुर 08 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)। एक युवा अगर चाहे तो अपनी तकदीर लिख सकता है युवा में वह जोश होना आवश्यक जो कार्य को मूर्त रूप परिणित कर सकने तक रुके ना। इसके साथ ही अनंत साहस, धैर्य, ऊर्जा और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़े। जिले की युवा कवयित्री और साहित्यकार पेशे से शिक्षिका अलीशा शेख ने अपने कार्यों से कई नए आयाम स्थापित किए है। गौरतलब है कि विगत 05 और 06 अक्टूबर को राजधानी रायपुर स्थित रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी कैंपस में नेहरू युवा केंद्र संगठन द्वारा राज्य स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन किया गया। जिसमे प्रथम दिवस देश के सूचना एवम प्रसारण और खेल एवम युवा मंत्रालय केंद्रीय मंत्री भारत सरकार अनुराग ठाकुर द्वारा शुभारंभ किया गया। समापन अवसर पर सांसद संतोष पाण्डेय मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विभिन्न विधाओं जैसे समूह नृत्य, काव्य लेखन, भाषण, फोटोग्राफी, चित्रकला प्रतियोगिता, लोकनृत्य,में राज्य भर के चयनित 2500 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। दूसरे दिन सभी विधाओं के विजित प्रतिभागियों के नाम की घोषणा की गई। उक्त राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में कोरिया जिले से काव्य लेखन में अलीशा ने प्रतिनिधित्व करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया और जिले को गौरवान्वित किया।नेहरू युवा केन्द्र जिला कोरिया द्वारा आयोजित भाषण प्रतियोगिता में पहले भी जिले का प्रतिनिधित्व राज्य स्तर पर कर चुकीं हैं।

पावरलिफ्टिंग में किया है 28 स्वर्ण पदक हासिल

सुश्री अलीशा शेख में सॉफ्ट और हार्ड दोनो समायोजन है। ये एक तरफ नृत्य,साहित्य,चित्रकला, फोटोग्राफी तो वही खेल में भार उठाने से भी पीछे नहीं रही है। इन्होंने पावरलिफ्टिंग के क्षेत्र में राज्य और राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व करते हुए कई सौ किलो से ज्यादा का वजन उठाया और स्वर्ण पदक जीता है। इन्होंने लगभग 28 स्वर्ण अपने नाम किया है। और छत्तीसगढ़ स्ट्रॉन्ग वूमेन का खिताब भी अपने नाम कर चुकी हैं।

हमारा चुनाव सही सिद्ध हुआःमहेश

जिले के होनहार ट्रैफिक मैन के नाम से मशहूर डॉ. महेश मिश्रा ने अलीशा शेख के इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि जिला स्तरीय प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में अन्य साथियों के साथ सेवा देने का अवसर मिला था और हमारा चयन सही सिद्ध हुआ।

देश की राजधानी में भी छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करें-पवन

जिला युवा अधिकारी पवन गुप्ता ने सुश्री अलीशा के इस उपलब्धि पर गौरव करते हुए कहा कि इस युवा में भारी आसार है आशा है कि देश के राजधानी में होने वाले प्रतियोगिता के राज्य का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए छत्तीसगढ़ का नाम रौशन करेंगी। युवा अधिकारी के तौर पर मुझे प्रसन्नता है कि कोरिया जिले से राष्ट्रीय स्तर का प्रतिनिधित्व होगा।कोरिया जिले से लेकर राज्य स्तर पर युवाओं को संगठित करने वाले नेहरू युवा केंद्र संगठन के राजीव साहू का महती योगदान रहा।

वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड लंदन और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में हो चुका है नाम दर्ज

काव्य की विधा में हिंदी की सेवा के लिए हिंदी पखवाड़ा के अवसर पर मैजिक मैन एन चंद्रा द्वारा आहूत लगातार 14 दिनो तक चले मां भारती कविता महायज्ञ में काव्य आहुति देने के लिए अलीशा शेख का नाम वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड लंदन में दर्ज हो चुका है। इसके साथ ही सौंदर्य प्रतियोगिता,मिस कोरिया आइकॉन 2022 का खिताब,के साथ खेल में कई स्वर्ण जीत चुकी अलीशा का नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज हो चुका है।

साहित्यसेवा, फोटोग्राफी और नृत्य में कई पुरस्कार जीत चुकी है अलीशा

आपको बता दें कि बहुमुखी प्रतिभा की धनी अलीशा शेख ने अपनी उच्च स्तरीय शिक्षा रायपुर, और बैंगलोर से प्राप्त की है। ये इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की होनहार छात्रा थी। कृषि और कीट विज्ञान से स्नातकोत्तर करते हुए कॉलेज के समय से ही यह शास्त्रीय नृत्य में महारथ हासिल कर चुकी थी और पुरस्कृत हुई। इसके साथ ही फोटोग्राफी की शौकीन रही कई प्रतियोगिता में विजित हुई। 94.5 बिग एफएम द्वारा आयोजित पैसों के पेड़ प्रतियोगिता में सेकंड रनर अप रहीं वहीं साहित्य सेवा करने पर विभिन्न सम्मान से कई बार सम्मानित किया गया है।

मनोहर लाल खत्तर ने भी किया था सम्मानित

होनहार अलीशा को कॉलेज में अध्ययन के समय हरियाणा में आयोजित राष्ट्रीय दुग्ध अनुसंधान केंद्र करनाल में मुख्यमंत्री मनोहर लाल खत्तर द्वारा व्याख्यान में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया जा चुका है।

आकाशवाणी में भी दी है सेवाएं शासकीय आयोजनों में उद्घोषक का दायित्व निभाया

बहुमुखी अलीशा ने वर्ष 2017 से 19 के मध्य आकाशवाणी बिलासपुर में अपनी आवाज का जादू बिखेरा है। उन्होंने बतौर उद्घोषक अपनी सेवा भी दी है। इसके साथ ही शासकीय आयोजनों में साथ ही राष्ट्रीय पर्वो के मौके पर बतौर उद्घोषक अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करती रही है और उत्कृष्ट दायित्व निर्वहन हेतु स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संसदीय सचिव पारसनाथ राजवाड़े द्वारा सम्मानित भी हुई है।

जिला स्तरीय आयोजन में रही प्रथम

नेहरू युवा केंद्र संगठन द्वारा युवा अधिकारी पवन गुप्ता के निर्देशन में जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे अलीशा शेख ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया था और राज्य हेतु चयनित हुई थी।

देश की राजधानी दिल्ली में करेंगी छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व

अलीशा शेख ने काव्य लेखन में प्रथम स्थान प्राप्त किया है विदित हो किराज्य के 33 जिलों से आए 66 प्रतिभागी के मध्य काव्य लेखन प्रतियोगिता आयोजित हुई थी साथ ही राज्य से प्रत्येक विधा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी देश की राजधानी दिल्ली में यशस्वी प्रधानमंत्री के सामने अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। जहां सुश्री अलीशा अपनी प्रतिभा दिखाएंगी।

पंद्रह हजार नगद,स्मृति चिन्ह और सम्मान पत्र से किया गया सम्मानित

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम आने पर सुश्री अलीशा को पंद्रह हजार रुपए,स्मृति चिन्ह और सम्मान पत्र देकर आयोजक मंडल और नेहरू युवा केंद्र संगठन द्वारा सम्मानित किया गया।

CMYK

विधानसभा निर्वाचन 2023 हेतु नोडल व सहायक अधिकारी नियुक्त

-संवाददाता-
सूरजपुर,08 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

विधानसभा आम चुनाव 2023 के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल द्वारा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 व 1951, निर्वाचन पंजीयन नियम 1960, निर्वाचन संचालन नियम 1961 और रिटर्निंग ऑफिसर की हैंडबुक में बने नियमों के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निर्वाचन की प्रक्रिया स्वतंत्र व निष्पक्ष रूप से कराने के लिए नोडल व सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए उनके मध्य कार्य विभाजन किया गया है। जिसके अंतर्गत आदर्श आचरण संहिता के लिए नरेन्द्र पैकरा को नोडल अधिकारी और रवि सिंह, सागर सिंह राज, सुश्री दीपिका नेताम, नंदजी पाण्डेय , अजय कुमार को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसी प्रकार यातायात व्यवस्था के लिए नरेन्द्र पैकरा को नोडल अधिकारी और अमित प्रकाश कश्यप, बृजकिशोर पाण्डेय व मंगेश सोनी को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। मतदान दलों हेतु रूटचार्ट एवं नक्शा तैयार करने तथा सेक्टर वार रूटचार्ट करने के लिए नरेन्द्र पैकरा को नोडल अधिकारी और बिहारी लाल राजवाड़े, मो. ईजराईल खान, बिन्देश्वर प्रजापति, समीर शर्मा, सुशील शुक्ला, राधेश्याम तिर्की, तेजू प्रसाद यादव को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया गया है। राजनैतिक दलो को प्रचार प्रसार करने के लिए ध्वनि विस्तारक यंत्र, वाहन परमिट व हेलीकॉप्टर संबंधित अनुमति नियम अनुसार दिए जाने के संबंध में नरेन्द्र पैकरा को नोडल अधिकारी और रवि सिंह, सागर सिंह राज, सुश्री दीपिका नेताम, महादेव लहरे सहायक नोडल अधिकारी होंगे। कर्मचारियों की व्यवस्था के लिए सुश्री लीना कोसम को नोडल अधिकारी तथा ऋषभ सिंह चंदेल, सुन्दर साय, अनिल कुमार सिन्हा, शैलेन्द्र जायसवाल, उमेश सिंह, रोहन कुमार सिंह सहायक नोडल अधिकारी होंगे। प्रशिक्षण के लिए सुश्री लीना कोसम नोडल अधिकारी तथा राम ललित पटेल, शशिकांत सिंह को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। प्रेक्षक के लिए सुश्री लीना कोसम को नोडल अधिकारी और श्री अनिल कुमार मित्तल, एस.बी. सिंह., विजय किरण को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसके साथ ही प्रेक्षक लाईजनिंग हेतु सी. एस. सिसोदिया, कृष्ण मोहन पाठक रिजर्व रखते हुए सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। स्वीप के लिए सुश्री लीना कोसम नोडल अधिकारी और सी. एस. सिसोदिया, राम ललित पटेल, रविन्द्र सिंहदेव, को सहायक नोडल बनाया गया है। ईईएम निर्वाचन व्यय मॉनिटरिंग के लिए श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर को नोडल अधिकारी और अनिल कुमार बारी, योगेश सिंह, को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। एमसीएमसी मीडिया निर्वाचन के लिए श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर को नोडल अधिकारी और प्रदीप सिंह कंवर, मोहितेश्वर साहू को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। जिला निर्वाचन कन्ट्रोल रूम की सम्पूर्ण व्यवस्था के लिए श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर को नोडल अधिकारी और सुधाकर विसेन, डिगेश्वर सिंह, नीलमणी चन्द्रवंशी को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। ई.व्ही.एम,स्ट्रांग रूम की व्यवस्था के लिए नंदजी पाण्डेय को नोडल अधिकारी और सूर्यकांत साय, सुश्री मीना सिंह, सुश्री हिना टंडन, शमहादेव लहरे, अमित राय, अनिल कुमार बारी को सहायक नोडल बनाया गया है। मतगणना की व्यवस्था के लिए नंदजी पाण्डेय को नोडल अधिकारी श्री वर्षा बंसल, समीर शर्मा, पुष्पराज पात्र, श्री राजीव वर्मा, अविनाश मिंज को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। मतगणना पश्चात् ई.वी.एम एंड वी.वी.पैट मशीन सीलिंग के लिए विश्वनाथ रेडडी को नोडल अधिकारी और विनोद सिंह, संजय कुर्रे, दिनेश कुमार जैन को सहायक नोडल नियुक्त किया गया है। स्ट्रांग रूम की चाबी रखना, खोलना, बंद करना, सील करने के लिए अनिल कुमार बारी नोडल अधिकारी और स्ट्रांग रूम में अग्निशमन व्यवस्था दुरूस्त रखने के लिए शद्यद्य संजय गुप्ता को नोडल अधिकारी योगेश सिंह को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। निर्वाचन सामग्री, निर्वाचन स्टोर के लिए सुश्री शिवानी जायसवाल को नोडल अधिकारी और विश्वनाथ रेडडी, अजय सिंह राठौर, अशोक उपाध्याय, अजय राजवाड़े, मनोहर गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, आशीष भट्टाचार्य को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। शिकायत निराकरण एवं वोटर हेल्प लाईन हेतु सुश्री शिवानी जायसवाल को नोडल अधिकारी और सुश्री चारू चित्रा साय, रोहन सिंह, श्री मोहितेश्वर साहू को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। डाक मतपत्र हेतु सुश्री शिवानी जायसवाल को नोडल अधिकारी और शोभ राज अग्रवाल, प्रीतपाल सिंह, ऋषभ सिंह चंदेल, अमित प्रकाश कश्यप, अजय तिवारी, संतोष उपाध्याय को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। वितरण केंद्र की व्यवस्था के लिए पंकज कुमार कमल को नोडल अधिकारी और नंदजी पाण्डेय, महादेव लहरे, बसंत सोम, सुनिल सिंह, श्रीमती मुक्ता सिंह चौहान, सुश्री चारू चित्रा साय, सुश्री मीना सिंह को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। एसएमएस कम्युनिकेशन प्लान के लिए सी.एस. सिसोदिया को नोडल अधिकारी और शद्य प्रदीप सिंह कंवर, मोहितेश्वर साहू, ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह, सर्वजीत सिंह को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। मतदान केन्द्र भवनों एवं पहुंच मार्ग का मरम्मत कार्य करने के लिए सानुज कुमार धृतलहरे को नोडल अधिकारी और नरेंद्र भगत, राजीव वर्मा को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। वितरण केन्द्र, मतगणना कक्ष पर विद्युत एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों की व्यवस्था के लिए बसंत सोम को नोडल अधिकारी और एल.पी. मराबी, बंशरूप सिंह मरकाम को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है वितरण केन्द्र पर पेयजल , साफ सफाई व्यवस्था के लिए एस.बी. सिंह को नोडल अधिकारी और श्रीमती मुक्ता सिंह चौहान, विकास शुक्ला को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। दिशा निर्देश एवं चेक लिस्ट तैयार करने के लिए सुश्री प्रियंका रानी गुप्ता को नोडल अधिकारी और बिहारी लाल राजवाड़े, सुश्री प्रियंका, रवि, सुनील कुमार पोर्ते, डॉ. विनोद कुमार साहू, अमर कुमार जैन, प्रमोद तिर्की, चंद्रकांत भगत, सुनील गुप्ता को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। मतपत्र मुद्रण के लिए अनिल कुमार बारी को नोडल अधिकारी और योगेश सिंह को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। मतपत्र प्रूफरीडिंग के लिए रविसिंह, श्री सागर सिंह राज, सुश्री दीपिका नेताम को नोडल अधिकारी और सुश्री वर्षा बंसल, श्री समीर शर्मा, पुष्पराज पात्र को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। मतदाता सूची चिन्हित प्रति तैयार करने के लिए शिवानी जायसवाल को नोडल अधिकारी और सुश्री वर्षा बंसल, समीर शर्मा, पुष्पराज पात्र को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। मतदान केन्द्रों के वेबकास्टिंग के लिए लीना कोसम नोडल अधिकारी और रोहन कुमार सिंह, मोहितेश्वर साहू, विनोद सिंह, विनय, रणवीर साय, पारस पैकरा, संजय राय, राजेश सेंगर को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। आईटी के कार्य हेतु नंदजी पाण्डेय को नोडल अधिकारी और सूर्यकांत साय, समीर शर्मा, पुष्पराज पात्र, रोहन कुमार सिंह, मोहितेश्वर साहू को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है।

यदि नगर पंचायत बनने को उपलब्धि इतनी बड़ी है तो फिर विधायक को आभार देने वालों की संख्या कम क्यों है?

नगर पंचायत बनने की अधिसूचना जारी हुई 20 सितम्बर को पर जानकारी मिली 1 अक्टूबर को,क्या जानकारी छुपाने के उद्देश्य से आदेश छुपाया गया?

जहां नगर पंचायत की अधिसूचना देखने के बाद पूरे सोशल मीडिया को बधाई संदेशों से भर जाना था पर ऐसी क्या वजह है कि सोशल मीडिया में बधाई देने वालों की संख्या भी कम है?

क्या नगर पंचायत बनने की खुशी नहीं है अधिकांश पटना वासियों में?

नगर पंचायत की मांग वैसे तो वर्षों पुरानी मांग थी...

पटना ग्राम पंचायत की आबादी कई हिस्सों में बंटी हुई है जिसमे से अधिकांश आबादी ग्राम की गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वालो की है जो शासकीय उचित मूल्य दुकान की पंजी से भी पुष्टि करने योग्य है जहां से राशन का उठाव लोग करते हैं। ग्राम पटना में आदिवासी समाज सहित अनुसूचित जाति आबादी भी भी बड़ी संख्या में निवासरत है इस तरह यदि समग्र आंकलन किया जाए तो नगर पंचायत का समर्थन करने वालों की संख्या ग्राम पंचायत का समर्थन करने वालो से कम है। नगर पंचायत की मांग वैसे तो वर्षो पुरानी मांग थी और भाजपा शासन काल में भी स्थानीय भाजपा नेताओं ने इसके लिए काफी जोर आजमाइश किया था लेकिन तत्कालीन मुख्यमंत्री ने इसको लेकर सहमति नहीं दी थी जिसकी वजह से यह ग्राम पंचायत ही बना चला आ रहा था वहीं बताया यह भी जा रहा है की पटना को नगर पंचायत नहीं बनाए जाने के पीछे भाजपा का यह विचार आड़े आ रहा था की नगर पंचायत बनाते ही आधी आबादी इसके विरोध में आ जायेगी और चुनाव में जिसका नुकसान पार्टी को उठाना पड़ेगा इसलिए भाजपा ने नगर पंचायत बनाए जाने को लेकर कभी उत्सुकता नहीं दिखाई वहीं सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी की सरकार आते ही पुनः यह मांग जोर पकड़ती नजर आई और इसको लेकर पूर्व उप सरपंच की भूमिका सबसे ज्यादा अहम रही, जिन्होंने इसे एक अभियान के तौर पर लिया और इसके लिए मुहिम तक उन्होंने छेड़ा खासकर उनकी मेहनत तब रंग लाई जब उन्होंने मुख्यमंत्री के ग्राम आगमन पर एक प्रदर्शन किया जिसमे उन्होंने नगर पंचायत के समर्थन में एक टोली बनाकर मुख्यमंत्री से मुलाकात की और यह संभव हो सका।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,08 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

पटना नगर पंचायत बनाने की मांग हो तो रही थी और घोषणा के बाद विरोध भी हो रहा था एक छोटा सा वर्ग चाहता है कि नगर पंचायत बन जाए पर पटना ग्राम के ही वासियों का बहुत बड़ा वर्ग यह चाहता है कि नगर पंचायत ना बने, ऐसा क्यों हो रहा है यह नगर पंचायत के नुकसान व लाभ को लेकर है, जो जागरूक लोग हैं वह नगर पंचायत बनने को नुकसान मान रहे हैं तो वही जो राजनीतिक से प्रेरित है वह अपना फायदा समझ रहे हैं, कहा जाता है कि यह मांग बीजेपी के शासनकाल से हो रही थी पर इस मांग को समय-समय पर टाला भी जा रहा था, क्योंकि इसके पीछे बोर्ड बैंक की

राजनीति भी हो रही थी, अब ऐसे में कांग्रेस सरकार में 20 सितंबर को पटना पंचायत को नगर पंचायत बनाने की अधिसूचना जारी हो गई पर यह अधिसूचना लोगों को 10 दिन बाद यानी की 1 अक्टूबर को पता चल सकी, ऐसा कहा जा रहा है कि इस अधिसूचना को लोगों से छुपा कर व दबा कर रखा जा रहा था ताकि आपत्ति के लिए समय न मिल सके पर अचानक अब यह जानकारी सामने आ गई है, जिसके बाद यह कहा जा रहा था कि यह उपलब्धि बहुत बड़ी है और यदि यह उपलब्धि इतनी बड़ी थी तो फिर जानकारी आने के बाद पूरा सोशल मीडिया बधाई संदेशों से पट जाना था? पर ऐसा देखने को नहीं मिल रहा यहां तक की स्थानीय विधायक का भी आभार व्यक्त करना था पर आभार व्यक्त करने वालों की संख्या भी काफी कम है, इसकी वजह क्या है? यह तो पता नहीं पर यह बात साफ हो गई है की नगर पंचायत की अधिसूचना को लेकर पटना वासियों में ज्यादा उत्साह नहीं है कम ही उत्साह देखने को मिल रहा है उत्साह है भी तो जो राजनीति से जुड़े लोग हैं उन्हें में ही उत्साह देखा जा रहा है।

नगर पंचायत बनाए जाने को लेकर क्षेत्रीय विधायक ने भी उसी मंच से मांग की जहां मुख्यमंत्री पहुंचे हुए थे...

नगर पंचायत बनाए जाने को लेकर क्षेत्रीय विधायक ने भी उसी मंच से मांग की जहां मुख्यमंत्री पहुंचे हुए थे और इस तरह पूर्व उप सरपंच सहित विधायक की मंशा को मुख्यमंत्री ना नहीं कर सके और नगर पंचायत की उन्होंने घोषणा कर दी। नगर पंचायत की घोषणा हुई और अब इसकी स्थापना को लेकर अधिसूचना भी जारी हो चुकी है लेकिन ग्राम वासियों में वह उत्साह नजर नहीं आ रहा है जो होना चाहिए। नगर पंचायत का कुल समर्थन व्यापारी वर्ग सहित राजनीति से जुड़े लोगों तक ही देखा जा रहा है उन्ही के द्वारा किया जा रहा है शेष आबादी फिलहाल मौन ही नजर आ रही है।

नहीं दिख रही ग्रामवासियों में एकतरफा खुशी,अलग-अलग मत में बंटे हैं लोग

नगर पंचायत की घोषणा के बाद ग्रामवासियों में एकतरफा खुसी देखी जा रही है ऐसा कहना गलत होगा,अलग अलग मतों में लोग बंटे नजर आ रहे हैं। कोई खुश है कोई यह सोचकर परेशान है की क्या यह सही मायने में विकास से जुड़ा मसला है। वैसे रोजमर्रा की आवश्यकताओं के लिए परेशान रहने वालों को यह निर्णय यह घोषणा रास नहीं आ रही है उनका मानना है की ग्राम स्तर पर मिलने वाली सुविधाओं का नुकसान उन्हे झेलना पड़ेगा शहर में कई सुविधा ग्राम स्तर की समाप्त हो जाती है जो तकलीफदेह होगी आने वाले समय में उनके लिए।

आदिवासी समाज भी निर्णय से नहीं है प्रसन्न,नेतृत्व का उनका मौका उनसे दूर चला जायेगा उनका है मानना

इस निर्णय से आदिवासी समुदाय भी प्रसन्न नहीं है यह देखा जा रहा है,आबादी में अच्छी हिस्सेदारी रखने वाला समाज या समाज से ही किसी को इस ग्राम में नेतृत्व का मौका मिलता आया है, नगर पंचायत बनने से उनका मौका अवसर उनसे दूर चला जायेगा यह उनका मानना है।

नगर के अग्रसेन वार्ड में बनेगा स्विमिंग पूल
नपा अध्यक्ष ने किया भूमि पूजन

आचार संहिता लगने से पहले नगर पालिका अध्यक्ष ने किया स्विमिंग पूल का भूमि पूजन

-संवाददाता-
सूरजपुर 08 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

नगर पालिका अध्यक्ष केके अग्रवाल ने आज शहर को एक बड़ी सौगात स्विमिंग पूल की दी। उन्होंने वॉर्ड पार्षद मंजूलता गोयल एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में नगर के अग्रसेन वार्ड में स्विमिंग पूल निर्माण कार्य का भूमि पूजन कर विधिवत कार्य प्रारंभ कराया। गौरतलब है कि जिला मुख्यालय सूरजपुर में लंबे समय से स्विमिंग पूल की मांग की जा रही थी। नगर पालिका अध्यक्ष के के अग्रवाल और परिषद के सभी सदस्यों के द्वारा स्विमिंग पूल निर्माण के लिए नगर पालिका अध्यक्ष के के अग्रवाल से आग्रह किया जा रहा था। नगर पालिका अध्यक्ष ने जन आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए स्विमिंग पूल के लिए तकनीकि टीम से नगर के विभिन्न वार्डों में सर्वे कराया और नगर के अग्रसेन वार्ड स्थित हाई स्कूल खेल परिसर में स्विमिंग पूल के लिए उपयुक्त उपयुक्त स्थान मिलने पर लगभग 3.50 करोड रुपए की लागत से बनने वाले स्विमिंग पूल के निर्माण के लिए सार्थक पहल की। प्रथम चरण में शिक्षा विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त कर निकाय मद से 2 करोड रुपए का प्रावधान किया गया और स्विमिंग पूल का निर्माण कार्य शुरू कराया गया। द्वितीय चरण में लगभग डेढ़ करोड़ की लागत से चेंजिंग रूम, पाइप लाइन, बोरवेल, चार दिवारी, प्रबन्धन कक्ष, लाईटिंग व अन्य कार्य होंगे। इस दौरान नपा अध्यक्ष के के अग्रवाल, विधायक प्रतिनिधि सुनील अग्रवाल, अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रवेश गोयल, पार्षद मंजू गोयल, अनिता रजक, पार्षद वीरेंद्र बंसल, पार्षद संजय डोसी, पार्षद अश्वनी सिंह, पार्षद राम सिंह, पुष्प लता पवन साहू, पुष्प लता गिरधारी साहू, एल्डरमैन त्रिलोक मेहरा, अजय सिंह, वरिष्ठ नागरिक शिव स्नेही शास्त्री, पवन अग्रवाल, पप्पू खत्री, रामबाबू देवांगन, नीरज देवांगन, देश दीपक दीवान, प्रवीण तिवारी, कन्हैया सारथी, यश अग्रवाल, बाबा खान समेत अन्य उपस्थित रहे।

पंजाबी,बंग समाज समेत राजस्व मंत्री जयसिंह ने 08 समुदायों को दी जमीन

-संवाददाता-
कोरबा 08 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल सदैव सामाजिक संगठनों को प्राथमिकता देते रहे हैं। इस दिशा में उनका विजन एकदम साफ है कि जब समाज तरक्की करेंगे तो खुद ब खुद ही क्षेत्र का विकास होगा। विगत 5 अक्टूबर को राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्रालय में एक आवश्यक बैठक रखी गयी। मंत्रालय की शासकीय भूमि आवंटन व व्यवस्थापन के लिए अंतर विभागीय समिति की बैठक में सामाजिक संगठनों को भूमि आवंटन के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। मंत्री जयसिंह अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में कोरबा जिले के 8 समाज के लोगों की मांगों को पूरा किया गया है। जिसमें बंग, पंजाबी और सतनामी समाज समेत अन्य समाज शामिल हैं। इस महत्वपूर्ण बैठक में छत्तीसगढ़ शासन की राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की सचिव नीलम नामदेव एक्का, वित्त विभाग की विशेष सचिव शीतल शाश्वत वर्मा के साथ ही आवास एवं पर्यावरण विभाग की उपसचिव सी तिर्की मौजूद रहे। बैठक के बाद सामाजिक संगठनों को विधिवत भूमि का आवंटन कर दिया गया। अन्य विभाग के सचिवों के मौजूदगी में बैठक की गई है। अन्य विभागों से जो अनुमति, अनापत्ति भूमि के आवंटन में आ सकती थी, उन सभी को दूर कर जमीन आवंटन का रास्ता पूरी तरह से प्रशस्त कर दिया गया है।

इन्हें मिली भूमि...अब समाज का होगा विकास

मंत्री जयसिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक के दौरान सतनामी कल्याण समिति कोरबा को 8 एकड़ भूमि का आवंटन किया गया है. इसी तरह राधा स्वामी सत्संग ब्यास डेरा, बाबा जैमल सिंह व्यास की कोरबा इकाई को 0.56 एकड़ भूमि सत्संग भवन के लिए प्रदान की गयी है। पंजाबी बिरादरी कोरबा के सामाजिक भवन के लिए 1 एकड़, गुरु गद्दी धाम और सतनाम विकास समिति कोरबा को डेढ़ एकड़ भूमि के साथ ही जिले में उच्च शिक्षा की स्थिति को और भी सुदृढ करने के लिए कमला नेहरू महाविद्यालय की समिति को 5 एकड़ भूमि का आवंटन किया गया है। जबकि बंग समाज पुराना बस स्टैंड कोरबा को 1 एकड़ भूमि, गुरुद्वारा सिंह सभा टीपी नगर को 3 एकड़ भूमि के अलावा श्री दिगंबर जैन समाज, दिगंबर जैन मंदिर चौक बुधवारी को 2.40 एकड़ भूमि प्रदान ली गयी है।

वन परिक्षेत्र खड़गवां के सुस्त रवैया के कारण वन भूमि पर धड़ल्ले से हो रहा है अवैध कब्जा

जिल्दा क्षेत्र में वनों की अंधाधुंध कटाई जारी है जब कि इसकी जानकारी खड़गवां वन अमले को है

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां,08 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

वन परिक्षेत्र खड़गवां के ग्राम पंचायत जिल्दा में वनों की हो रही अंधाधुंध कटाई जिला एमसीबी और कोरिया जिले के अंतर्गत आने वाले वन परिक्षेत्र खड़गवा के जिल्दा ग्राम पंचायत में वनों की अंधाधुंध कटाई रूकने का नाम ही नहीं ले रही है। और वहीं वन की कटाई कर वन भूमि पर भी अवैध कब्जा बिना किसी डर भय के किया जा रहा है जिससे वषों पुराने वनो की कटाई करते हुए तेजी के साथ वन भूमि पर अवैध कब्जा कर रहे हैं वही वन परिक्षेत्र अधिकारी खड़गवा के ढुलमुल रवैया के कारण वनों की भारी कटाई बड़े जोरों पर हो रही है।

ज्ञात हो कि जिला एमसीबी के अंतर्गत आने खड़गवां वन परिक्षेत्र के ग्राम जिल्दा एवं कदमबहरा में वनों की अंधाधुंध कटाई कर वन भूमि पर अवैध रूप से कब्जा करने का खेल पिछले कई वर्षो से चल रहा है। सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि वन परिक्षेत्र के अधिकारियों के सांठगांठ से जनप्रतिनिधियों के द्वारा भी अवैध रूप से वन भूमि पर कब्जा कर बड़े बड़े मकान बना लिए हैं जिससे देख स्थानीय भी वनभूमि की कटाई कर अवैध कब्जा करने में लीन है।

खड़गवां वन परिक्षेत्र अधिकारी से लेकर वन परिक्षेत्र का अमला सुस्त पड़ा है और वही वन भूमि पर वनों को काट कर वन भूमि पर अवैध कब्जा किया जा रहा है। एक तरफ प्रशासन करोड़ों रुपए वनों को लगाने और उन्हें बचाने के लिए करोड़ों रुपए जनता के टैक्स के पैसों का इस्तेमाल कर वनो के बचाव के लिए खर्च किए जाते ।

यदि जल्द ही वनों की सुरक्षा नहीं की गई तो वह दिन दूर नहीं कि ग्राम पंचायत जिल्दा से वन खात्मा ना हो जाए तो इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी वन परिक्षेत्र खड़गवां की होगी।

मछली पकड़ने गए युवक की करेन्ट लगने से मौत

-संवाददाता-
सूरजपुर,08 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

रमकोला थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत धुमाडाड़ निवासी युवक एरीकेशन बांध में करंट से मछली मारने के दौरान करंट की चपेट आने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत धुमाडांड़ निवासी जितेंद्र पिता जमुना उम्र लगभग 26 वर्ष बीती रात 11ः00 बजे धुमाडाड़ के एरीकेशन बांध में विद्युत लाइन के करंट से मछली मार रहा था तभी अचानक पानी में करंट की चपेट में आ जाने से युवक की मौके पर मौत हो गई। जिससे क्षेत्र में शोक का माहौल है। पुलिस जांच में जुट गई है।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं घनश्याम गोयल/ अग्रवाल निवासी जेल रोड गेहुँबाड़ी अम्बिकापुर अपना नाम परिवर्तन कर घनश्याम दास अग्रवाल रख लिया हूँ। अतः आज से मुझे घनश्याम दास अग्रवाल के नाम से जाना एवं पहचाना जाए। समस्त शासकीय दस्तावेजो में इसी नाम को दर्ज किया जाए एवं जाना पहचाना जाए।

घनश्याम दास अग्रवाल
जेल रोड गेहुंबाड़ी
अम्बिकापुर
(सरगुजा छ0ग0)

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा,छ.ग.

रा.प्र.क्र./ /अ-6-अ/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किचा जाता है कि आवेदिका अनिता सिंह पति गिरीश बहादुर सिंह, जाति क्षत्रिय, निवासी मेडिकल कॉलेज के पास हर्राटिकरा, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा छ0ग0 के द्वारा छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115, 116 के अंतर्गत आवेदन श्रीमातन अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदिका के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम रनपुरखुर्द में खसरा नंबर 249/2, 250/2 रकबा क्रमशः 0.017, 0.011 हे0 स्थित है। उक्त भूमि आवेदिका को पंजीबद्ध विक्रयपत्र के माध्यम से प्राप्त हुआ है। जिसमें से खसरा नंबर 250/2 का रकबा त्रुटिवश 0.042 हे0 दर्ज हो गया है, जबकि सही रकबा 0.011 हे0 है। आवेदिका द्वारा राजस्व अभिलेखों में खसरा नंबर 250/2 का रकबा सुधार कर 0.011 हे0 दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया गया है। जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 30/10/2023 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है।समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 06/10/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील

नायब तहसीलदार
अम्बिकापुर-02

विराट कोहली और केएल राहुल ने बरपाया कहर

» वर्ल्ड कप के पहले ही मैच में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को दी छह विकेटों से मात

चेन्नई,08 अक्टूबर 2023। भारत की मेजबानी में खेले जा रहे वनडे वर्ल्ड कप 2023 का छठवां मुकाबला आज दो बार की वर्ल्ड चैम्पियन मेजबान भारत और पांच बार की वर्ल्ड चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 52 गेंदें शेष रहते छह विकटों से मात दी। भारत की इस बड़ी जीत में रवींद्र जडेजा (तीन विकेट) के बाद विराट कोहली (85 रन) और केएल राहुल (नाबाद 97 रन) ने अहम भूमिका निभाई। जबकि इस हार के साथ साल 1992 वर्ल्ड कप के बाद ऐसा पहली बार हुआ है कि ऑस्ट्रेलिया को टूर्नामेंट के पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा।

क्लास शॉर्ट के साथ राहुल ने खत्म किया मुकाबला क्रिकेट के इस महाकुंभ के पहले मुकाबले में केएल राहुल ने एक शानदार छक्का लगाकर भारत को छह विकटों से जीत दिलाई। राहुल भले ही अपने दूसरे वर्ल्ड कप शतक से चूक गए, लेकिन मुश्किल परिस्थितियों में उन्होंने 115 गेंदों में 97 रनों की नाबाद पारी खेली। इस दौरान उन्होंने विराट कोहली के साथ चौथे विकेट के लिए 165 रनों रिकॉर्ड साझेदारी निभाई। उनकी इस धमाकेदार पारी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी दिया गया।

शतक से चुके विराट कोहली मुश्किल परिस्थितियों में बल्लेबाजी करने उतरे पूर्व कप्तान विराट कोहली ने इस अहम मुकाबले में धमाकेदार पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। लेकिन अपने तीसरे वर्ल्ड कप शतक से पहले विराट 85 रन के निजी स्कोर पर पवेलियन लौट गए।

विराट-राहुल ने की डेढ़ सौ रनों की साझेदारी

इस बड़े टूर्नामेंट के पहले ही मैच में मुश्किल परिस्थितियों में मैदान में उतरी विराट कोहली और केएल राहुल की जोड़ी ने चौथे विकेट के लिए डेढ़ सौ रनों की साझेदारी निभाकर ना सिर्फ भारतीय टीम की मुकाबले में वापसी कराई है, बल्कि जीत भी सुनिश्चित कर दी है।

विराट-राहुल ने जड़ी धमाकेदार फिफ्टी महज दो रन के स्कोर पर अपने तीन अहम बल्लेबाजों को गंवाने के बाद मैदान पर उतरी विराट और राहुल की जोड़ी ने चौथे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी निभाकर भारतीय टीम के स्कोर को सौ के पार पहुंचाया। इस दौरान दोनों ही बल्लेबाजों ने अपना अर्धशतक पूरा किया।

राहुल ने जैम्पा के एक ओवर में लगाए तीन चौके

पारी के 18वें ओवर में अपना पहला ओवर लेकर आए ऑस्ट्रेलिया के मेन स्पिनर एडम जैम्पा पर केएल राहुल ने हल्ला बोलते हुए तीन शानदार चौके लगातार उन्हें बैकफुट पर ढकेल दिया

विराट-राहुल ने निभाई अर्धशतकीय साझेदारी

महज दो रन के स्कोर पर अपने तीन बल्लेबाजों को गंवाने के बाद विराट कोहली और केएल राहुल की जोड़ी ने चौथे विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी निभाकर भारतीय टीम के स्कोर को 16वें ओवर में पचास रनों के पार पहुंचाया।

किंग कोहली को मिला जीवनदान

एक के बाद एक तीन बल्लेबाजों के पवेलियन लौटने के बाद पूर्व कप्तान विराट कोहली ने राहुल के साथ मिलकर टीम की पारी संभाली। पारी के आठवें ओवर में हेजलवुड की एक बाउंसर पर बड़ा शॉर्ट खेलने की कोशिश की और गेंद बल्ले से एज पर लगकर हवा में चली गई। लेकिन मिचेल मार्श इस मौके को भुना नहीं पाए और किंग कोहली को 12 रन के निजी स्कोर पर एक बड़ा जीवनदान मिल गया।

ओडिशा के मुख्यमंत्री पटनायक ने हॉकी स्टार दीप ग्रेस एक्का के लिए 50 लाख रुपये नकद पुरस्कार की घोषणा की

भुवनेश्वर,08 अक्टूबर 2023। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने रविवार को 19वें एशियाई खेलों हांग्जो 2022 में भारत को कांस्य पदक दिलाने में उनकी भूमिका के लिए ओडिशा की हॉकी स्टार दीप ग्रेस एक्का को 50 लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की। . सरकार की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सीएम ने दीप ग्रेस एक्का को हार्दिक बधाई दी, उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन को स्वीकार किया और उन्हें राज्य के युवाओं के लिए एक रोल मॉडल बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा, दीप ग्रेस एक्का देश में महत्वाकांक्षी एथलीटों के लिए आशा और गर्व का प्रतीक बन गई हैं। दीप ने कुछ आश्चर्यजनक प्रदर्शनों के साथ अपनी दृढ़ता साबित की है और मुझे यकीन है कि वह भारत को गौरवान्वित करती रहेंगी और अपनी भावना का प्रदर्शन करती रहेंगी। वह दृढ़ता और उत्कृष्टता प्रदर्शित कर रही है।÷ सुंदरगढ़ जिले के लुलकिडीही गांव की रहने वाली 28 वर्षीय खिलाड़ी ने 2011 में अर्जेंटीना में

फोर-नेशन टूर्नामेंट के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया और तब से, वह राष्ट्रीय टीम का एक अभिन्न हिस्सा रही हैं। मई 2023 में, उन्होंने 250 अंतर्राष्ट्रीय कैप पूरे किए। वह रियो ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं - 1980 और टोक्यो ओलंपिक 2020 के बाद भारत की पहली उपस्थिति। वह उस टीम का भी अभिन्न हिस्सा थीं जिसने महिला एशिया कप 2013 में कांस्य पदक, 2016 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में स्वर्ण, 2017 में एशिया कप में स्वर्ण, 2018 में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में रजत, 18वीं एशियाई में रजत पदक जीता था। खेल जकार्ता-पालेमबांग और बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य।

शीर्ष डिफेंडर ने 2022 में स्पेन में उद्घाटन एफआईएच महिला राष्ट्र कप में भारत की स्वर्ण पदक जीत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।% भारतीय हॉकी टीमों ने हाल ही में संपन्न एशियाई खेलों में पुरुष और महिला दोनों प्रतियोगिताओं में पदक हासिल किए। जहां पुरुष टीम ने जापान को 5-1 से हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया, वहीं महिला टीम ने कांस्य पदक मैच में जापान को 2-1 से हराकर पदक हासिल किया। भारतीय दल ने हांग्जो में रिकॉर्ड 107 पदक - 28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य - जीते, जो 2018 जकार्ता में निर्धारित उनके पिछले सर्वश्रेष्ठ को पार कर गया। महाद्वीपीय प्रतियोगिता के लिए भारत ने जिन 650 से अधिक एथलीटों को हांगझू भेजा था, उनका 100 अंकों के साथ समापन कुछ ऐसा था जो कई लोगों के लिए एक अवास्तविक सपने जैसा था।

भारत ने बजाया एशियन गेम्स में अपना डंका

» भारत ने एशियाई खेलों का समापन शानदार प्रदर्शन के साथ किया और अंतिम दिन 12 पदक जीते, जिससे उसके पदकों की संख्या 107 हो गई. 28 गोल्ड, 38 सिल्वर और 41 ब्रॉन्ज़ मेडल जीते.

28 गोल्ड के साथ खाते में आए कुल 107 मेडल

हांगझोउ,08 अक्टूबर 2023। सत्सिकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी ने बैडमिंटन में ऐतिहासिक पहला गोल्ड मेडल जीता और तीरंदाजी व कबड्डी में दो-दो पदक के साथ भारत ने छह स्वर्ण सहित 12 पदक जीते. 19वें एशियाई खेलों में भारत ने अब तक के सर्वाधिक 107 पदक जीते.

एक संस्करण में सबसे ज्यादा मेडल

भारत ने एशियाई खेलों का समापन शानदार प्रदर्शन के साथ किया और अंतिम दिन 12 पदक जीते, जिससे उसके पदकों की संख्या 107 हो गई. 28 गोल्ड, 38 सिल्वर और 41 ब्रॉन्ज़ मेडल जीते. वर्ष 1990 में जब चीन ने अपने पहले एशियाई खेलों की मेजबानी की थी, तब देश ने कबड्डी में केवल एक स्वर्ण पदक जीता था. यह एशियाई खेलों में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है, कुल पदकों की संख्या 107 है जो पिछले उच्चतम 70 पदकों से बड़े अंतर से अधिक है.

भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

यह एथलीटों, कोचों, सहायक कर्मचारियों और प्रशासकों सहित 963 लोगों के एक दल के वर्षों के पसीने और कड़ी मेहनत से संभव हुआ. जबकि रंकीरेड्डी और शेट्टी ने अपने रैकेट, आर्मबैंड और शेट्टी के मामले में अपनी पसीने से लथपथ शर्ट फेंककर बेतहाशा जश्न मनाया. उन्होंने अपना पहला स्वर्ण जीतने के लिए एक अनुभवी दक्षिण कोरियाई जोड़ी को सीधे सेटों में हराने के बाद के साथ नृत्य किया. वह दहाड़ते हुए दुनिया को बता रहे हैं कि एशियाई खेल अब उनका अधिकार क्षेत्र है.

कोर्ट का भारत के पक्ष में फैसला

पुरुष कबड्डी टीम ने एक आधिकारिक त्रुटि पर कोर्ट पर अभूतपूर्व विरोध प्रदर्शन किया, जिससे खेल एक घंटे तक रुका रहा.

अधिकारियों ने समीक्षा के बाद भारतीयों के पक्ष में फैसला सुनाया, जिसके परिणामस्वरूप ईरानी टीमों को कोर्ट पर धरना देना पड़ा. आखिर में भारतीयों को अंक मिलने से मामला सुलझ गया और ईरानी अंकों के नुकसान से नाखुश हो गए, क्योंकि इंडोनेशिया में 2018 संस्करण में चौथे स्थान पर खिसकने के बाद भारत ने स्वर्ण पदक हासिल कर लिया.

कौन सा देश सबसे आगे

शनिवार को भारत पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा, जिसमें 107 - 28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य - के अभूतपूर्व समग्र पदक शामिल थे, जो हालांकि चीन के 382 पदकों के विशाल योग से काफी पीछे थे. चीन ने 200 स्वर्ण, 111 रजत और 71 कांस्य जीते हैं. जापान 186 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि कोरिया गणराज्य 190 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा.

शतरंज में आए दो मेडल

पहलवान दीपक पुनिया ने चार रजत पदकों में से एक जीता और तीरंदाज अभिषेक वर्मा को ठंड और बारिश की स्थिति में खेले गए फाइनल में देवताले से हारने के बाद लगातार दूसरे रजत पदक के साथ खुद को सांत्वना देनी पड़ी. चतुरंगम की भूमि के जादूगरों ने शतरंज में दो रजत पदक जीते. महिला टीम ने मेजबान चीन को पीछे छोड़ते हुए रजत पदक जीता, जबकि कजाकिस्तान ने कांस्य पदक जीता.

महिला कबड्डी टीम ने भी 2018 में इंडोनेशिया में पिछले संस्करण में गद्दी से हटने के बाद स्वर्ण पदक जीतकर अपनी गरिमा बहाल की. पुरुष क्रिकेट टीम ने भारत के लिए छठा स्वर्ण पदक जीता.

महिला हॉकी टीम ने जीता ब्रॉन्ज

शनिवार को महिला हॉकी टीम ने तीसरे स्थान के मैच में गत चैंपियन जापान को 2-1 से हराकर कांस्य पदक मैच जीतकर कुछ गौरव बहाल किया. लेकिन जो बात उन्हें सबसे ज्यादा परेशान करेगी वह यह कि टीम अगले साल के पेरिस ओलंपिक में जगह पक्की करने में असफल रही. चीन ने फाइनल में कोरिया गणराज्य को हराकर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का अवसर हासिल कर लिया. 17 साल की तीरंदाज अदिति गोपीचंद स्वामी ने कांस्य पदक जीता.

सवाल यह है कि इनमें से कितने आगे बढ़ेंगे और अगले साल पेरिस ओलंपिक खेलों में सफल होंगे?

एडन मार्करम ने जड़ा वर्ल्ड कप का सबसे तेज शतक

नई दिल्ली,08 अक्टूबर 2023। वर्ल्ड कप-2023 में साउथ अफ्रीकी बल्लेबाजों ने श्रीलंकाई टीम के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाजी की। इतना ही नहीं एडन मार्करम ने वर्ल्ड कप इतिहास का सबसे तेज शतक लगाया और टीम ने टूर्नामेंट में अब तक का सबसे बड़ा टारगेट सेट किया।

एडन मार्करम ने क्रिकेट विश्व कप इतिहास में सबसे तेज शतक लगाया। उन्होंने सिर्फ 49 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया।उनकी इस तूफानी बल्लेबाजी ने वर्ल्ड कप के सबसे तेज शतक के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जो 2011 में इंग्लैंड के खिलाफ आयरलैंड के केविन ओब्रायन ने बनाया था।

एडन मार्करम ने 196 के स्ट्राइक रेट के साथ तीन छक्कों और 14 चौकों की मदद से खेली गई तूफानी पारी के दौरान 54 गेंद में 106 रन की पारी खेली।हालांकि, एडन मार्करम का मानना है कि साउथ अफ्रीका का ये रिकॉर्ड इसी वर्ल्ड कप में टूट सकता है, क्योंकि बल्लेबाज इन दिनों काफी धुआंधार बैटिंग कर रहे हैं।

मैच के बाद उन्होंने कहा कि अगर इस टूर्नामेंट के दौरान उनके रिकॉर्ड को तोड़ दिया जाए तो उन्हें आश्चर्य नहीं होगा। मार्कराम के सबसे तेज शतक की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को दिल्ली में खेले गए मुकाबले में श्रीलंका के सामने 428/5 का विशाल स्कोर खड़ा किया और विश्व कप में अब तक के सबसे बड़े स्कोर का नया रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले, 2015 में पर्थ में अफगानिस्तान के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ने 417/6 का स्कोर बनाया था।

इस विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की टीम 44.5 ओवर के बाद 326 रन पर आउट हो गई।

भारतीय कबड्डी खिलाड़ियों रेफरी के फैसले के खिलाफ मैट पर बैठ कर विरोध जताया

हांगझोउ,08 अक्टूबर 2023। भारत और ईरान के बीच एशियाई खेलों के पुरुष कबड्डी फाइनल मुकाबले के दौरान उस वक्त विवाद पैदा हो गया, जब रेफरी के फैसले के विरोध में खिलाड़ी मैट पर बैठ गए। कबड्डी मैट पर इस तरह का नजारा शायद ही पहले कभी देखा गया था। इस विवाद के कारण चिर-परिचित टीमों के बीच का मुकाबला लगभग एक घंटे तक रुका रहा। ईरान ने 2018 जकार्ता एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में भारत को हराया था। पवन सहरावत की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने हालांकि शनिवार को फाइनल मैच जीतकर उस हार का बदला चुकता कर लिया। फाइनल मुकाबले में जब एक मिनट और पांच सेकंड का खेल बचा था तब दोनों टीमों का स्कोर 28-28 से बराबर था। लेकिन आखिरी मिनट में विवाद तब खड़ा हो गया जब

भारतीय कप्तान पवन सहरावत करो या मरो वाली रेड के लिए उतरे।

सहरावत किसी खिलाड़ी को छुए बिना लॉबी में (सीमा से बाहर) चले गए। इस दौरान ईरान के अमीरहोसैन बस्तामी और तीन अन्य रक्षक उन्हें बाहर धकेलने की कोशिश की जिसके बाद अंक को लेकर विवाद हो गया। यह स्पष्ट नहीं था कि सहरावत से सफलतापूर्वक निपटा गया था या नहीं और यह भी भ्रम था कि कौन सा नियम लागू किया जाए - पुराना या नया। नये नियम के अनुसार, सहरावत बाहर थे लेकिन पुराने नियम के अनुसार सहरावत और उनके पीछे आने वाले ईरान के सभी खिलाड़ियों को भी खेल से बाहर माना गया। इस नियम से भारत को चार अंक और ईरान को एक अंक मिला। भारत और ईरान के पक्ष में फैसला सुनाने के बीच अधिकारियों की खींचतान के बीच अभूतपूर्व परिदृश्य में जब फैसला उनके खिलाफ गया तो दोनों टीम के खिलाड़ी विरोध में कोर्ट पर बैठ गए।

सीरी ए:जेनोआ पर 1-0 की जीत के बाद टॉप पर एसी मिलान

रोम,08 अक्टूबर 2023। एसी मिलान ने रोमांचक मैच में जेनोआ को 1-0 से हराकर सीरी ए तालिका में शीर्ष पर कब्जा जमाया।

एसी मिलान ने लगातार तीन घरेलू जीत के साथ शनिवार के खेल में प्रवेश किया। यह मैच दोनों टीमों के लिए चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन अंतिम क्षणों में रोमांच चरम पर पहुंच गया।

एसी मिलान के लिए क्रिश्चियन पुलिसिक ने 87वें मिनट में गोल का सूखा खत्म करते हुए अपनी टीम का खाता खोला और ड्रॉ की ओर बढ़ते हुए मैच का नतीजा अपनी टीम के पक्ष में किया।

एक अन्य मैच में इंटर मिलान ने बोलोग्ना के खिलाफ 2-0 की बढ़त को गंवाते हुए मैच 2-2 पर खत्म किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने एशियाई खेलों के समापन में उल्लेखनीय 107 पदक जीतने के लिए भारतीय दल की सराहना की

नई दिल्ली,08 अक्टूबर 2023। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को हांग्जो एशियाई खेलों में रिकॉर्ड 107 पदक जीतकर इतिहास रचने के लिए भारतीय दल की सराहना की। पीएम मोदी ने एशियाई खेलों के पदक विजेताओं को उनकी प्रतिभा के शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी। ÷एशियाई खेलों में भारत के लिए यह कितनी ऐतिहासिक उपलब्धि है! पूरा देश बहुत खुश है कि हमारे अविश्वसनीय एथलीटों ने अब तक के सबसे अधिक 107 पदक जीते हैं, जो पिछले 60 वर्षों में अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन है। अटूट दृढ़ संकल्प, निरंतर भावना और हमारे खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत ने देश को गौरवान्वित किया है। उनकी जीत ने हमें याद रखने के क्षण दिए हैं, हम सभी को प्रेरित

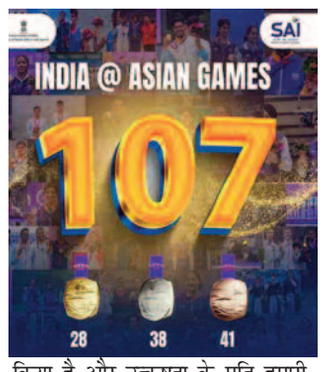

किया है और उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है, पीएम मोदी ने लिखा।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने अपनी 19वीं एशियाई खेलों की यात्रा को एक मनमाना संख्या के साथ समाप्त किया जो भारतीय खेल इतिहास में दर्ज किया जाएगा, 20 दिनों की गहन, गौरव से भरी प्रतियोगिता के बाद महाद्वीपीय प्रतियोगिता को अब तक के सबसे बड़े पदक के साथ समाप्त किया। भारतीय दल वास्तव में ÷इस बार 100 पार÷ के लक्ष्य पर खरा उतरा क्योंकि शनिवार को उन्होंने आधिकारिक तौर पर 100 पदक का आंकड़ा पार कर लिया। भारतीय दल ने हांग्जो में रिकॉर्ड 107 पदक - 28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य - जीते, जो 2018 जकार्ता में निर्धारित उनके पिछले सर्वश्रेष्ठ को पार कर गया। महाद्वीपीय प्रतियोगिता के लिए भारत ने जिन 650 से अधिक एथलीटों को हांगझू भेजा था, उनका 100 अंकों के साथ समापन कुछ ऐसा था जो कई लोगों के लिए एक अवास्तविक सपने जैसा था।

जूनियर एनटीआर की देवरा दो भागों में होगी रिलीज,सैफ अली खान और जाह्नवी भी दिखेंगी

जूनियर एनटीआर पिछले लंबे समय से अपनी आगामी फिल्म देवरा को लेकर चर्चा में हैं।इसमें सैफ अली खान और जाह्नवी कपूर भी अहम भूमिकाओं में हैं। इसका निर्देशन कोराताला शिवा कर रहे हैं।ताजा खबर यह है कि एनटीआर की देवरा एक नहीं, बल्कि दो भागों में रिलीज होगी।फिल्म का पहला भाग 5 अप्रैल, 2024 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगा। हालांकि, फिल्म के दूसरे पार्ट की रिलीज से जुड़ी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

कोराताला ने अपने एक्स पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें वह दर्शकों को यह जानकारी देते हुए नजर आ रहे हैं कि देवरा दो भागों में रिलीज होगी और फिल्म का पहला भाग अगले साल 5 अप्रैल को रिलीज किया जाएगा।देवरा के जरिए जाह्नवी अपना तेलुगु डेब्यू करने वाली हैं और उन्होंने फिल्म के कुछ हिस्से की शूटिंग भी कर ली है। यह एक पैन इंडिया फिल्म है, जो तेलुगु समेत तमिल, मलयालम और हिंदी में रिलीज होगी।

अपने संदेश को समाप्त करते हुए उन्होंने कहा, इसलिए, हमने इस बड़ी कहानी और कैनवास को दो भागों में बताने का निर्णय लिया। कहानी आकार में नहीं बदलेगी, लेकिन बड़े पैमाने पर विकसित होगी। देवरा अब तक के सबसे बड़े कैनवासों में से एक होगा।

देवरा को अत्यधिक भव्यता और विशाल विश्व निर्माण के साथ एक विशाल तमाशा माना गया है जो बहुत सारी विद्या और चरित्र विकास से भरा है।

देवरा के संबंध में अधिकांश विवरण गुप्त हैं और एनटीआर जूनियर की अपनी भूमिका पर सवाल है कि क्या वह नायक हैं या विरोधी नायक हैं।

फिल्म में जान्हवी कपूर, सैफ अली खान, शाइन टॉम चाको, मेरा श्रीकांत और प्रकाश राज भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

फिल्म का निर्माण युवासुधा आर्ट्स और एनटीआर आर्ट्स द्वारा किया गया है, और नंदमुरी कल्याण राम द्वारा प्रस्तुत किया गया है।

फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है और आर रत्नावेलु छायाकार हैं।

एटली अब अल्लू अर्जुन से मिलाएंगे हाथ,नई पैन इंडिया फिल्म का ऐलान

फिल्म जवान के साथ-साथ निर्देशक एटली भी चर्चा में आ गए हैं और बेशक शाहरुख खान की इस फिल्म से जुड़ने के बाद अब बॉलीवुड में भी उनका कद ऊंचा हो गया है।उनके निर्देशन की खूब तारीफ हो रही है। इसी बीच यह चर्चा तेज हो गई है कि एटली अपनी नई फिल्म सुपरस्टार अल्लू अर्जुन के साथ बनाने वाले हैं।आइए जानते हैं क्या कुछ जानकारी मिली है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अपने हालिया इंटरव्यू में एटली ने अल्लू के साथ फिल्म करने पर बात की।उन्होंने कहा, मैंने अल्लू को अपनी अगली फिल्म की कहानी सुना दी है। अभी उसी पर चर्चा चल रही है। मैं अब आप सभी को बहुत जल्द एक खुशखबरी देने वाला हूं।एटली ने बताया कि अल्लू के साथ उनका प्रोजेक्ट लगभग तय ही है।एटली और अल्लू दोनों की ब्लॉकबस्टर जोड़ी वाकई दर्शकों के लिए किसी तोहफे से कम नहीं होगी।

एटली कई सुपरहिट फिल्में दे चुके हैं, वहीं पुष्पा जैसी फिल्म के बाद अल्लू की दीवानगी भी प्रशंसकों के सिर चढ़कर बोलने लगी है।ऐसे में निर्देशक और अभिनेता की इस जोड़ी के साथ आने से बेशक बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचेगा।बताया जा रहा है कि अल्लू और एटली लंबे समय से साथ काम करने की सोच रहे थे और अब

आखिरकार दोनों नई पैन इंडिया फिल्म के लिए एक नए सफर की शुरुआत करने के लिए उत्साहित हैं।

अल्लू को हाल ही में फिल्म पुष्पा के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया था।इससे भी खास बात यह है कि वह ये पुरस्कार पाने वाले पहले तेलुगु अभिनेता बने हैं।पुष्पा में अल्लू ने एक चंदन तस्कर का किरदार निभाया था और अपने दमदार अभिनय से दर्शकों से लेकर समीक्षकों तक का दिल जीत लिया था।अब वह इसका दूसरा भाग पुष्पा- द रूल लेकर आ रहे हैं। आजकल अल्लू इसी फिल्म की शूटिंग में जुटे हैं। अल्लू की झोली में 6 फिल्मफेयर पुरस्कार, 3 नंदी पुरस्कार और 1 राष्ट्रीय पुरस्कार आ चुका है। वह फोर्ब्स इंडिया की 100 शीर्ष सितारों की सूची में अपना नाम दर्ज करा चुके हैं। उन्हें लोकप्रिय स्टाइलिश स्टार के रूप में भी जाना जाता है।

एटली ने फिल्म राजा रानी से अपने निर्देशन करियर की शुरुआत की थी और उनकी पहली ही फिल्म हिट रही थी। इसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का विजय पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ डायलॉग राइटर के तमिलनाडु स्टेट पुरस्कार से नवाजा गया था।इसके बाद उनके निर्देशन में बनीं थेरी, मर्सलऔर बिगिल जैसी फिल्मों ने भी बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की।एटली की जवान की रिलीज के बाद अब इसके दूसरे भाग जवान 2 को लेकर सुगबुगाहट शुरू हो गई है।

अपने खाली समय में फेंड्स देखती हैं अभिनेत्री मंजरी फडनीस

फिल्म जाने तू... या जाने ना में अपने अभिनय के लिए मशहूर अभिनेत्री मंजरी फडनीस ने बताया कि उन्हें हल्के-फुल्के कंटेंट देखना पसंद है और उन्होंने खुलासा किया कि जब वह तनावग्रस्त होती हैं और आराम करना चाहती हैं तो अमेरिकी टीवी सिटकॉम फ्रेंड्स देखती हैं।

फ्रेंड्स डेविड क्रेन और मार्टा कॉफमैन द्वारा बनाया गया है। इसमें जेनिफर एनिस्टन, कॉर्टनी कॉक्स, लिसा कुड्रो, मैट लेब्लांक, मैथ्यू पेरी और डेविड श्विमर हैं। यह शो 20 और 30 साल के छह दोस्तों के इर्द-गिर्द घूमता है जो न्यूयॉर्क शहर के मैनहट्टन में रहते हैं।

अभिनेत्री मंजरी को पहली बार 2003 में गायन रियलिटी शो पॉपस्टार के भारतीय संस्करण के दूसरे सीजन के दौरान देखा गया था। मंजरी ने बताया कि वह ओटीटी पर किस तरह का कंटेंट देखना पसंद करती हैं। उन्?होंने बताया, मेरे पास कोरियाई नाटकों की एक सूची है

जो मैंने अभी तक नहीं देखी है, क्योंकि अभी भारतीय कंटेंट काफी आ रहा है, इसलिए मुझे पहले उसे देखना होगा। उन्होंने कहा कि मुझे कॉमेडी पसंद है। फ्रेंड्स और द गुड प्लेस मेरे पसंदीदा शो है। जब भी संभव होता है मैं इन हल्की-फुल्की चीजों को देखना पसंद करती हूं। फिल्म और ओटीटी के लिए भूमिका तय करने पर मंजरी ने कहा, मेरा मकसद चरित्र के लिए एक आंतरिक दुनिया बनाना है। कुछ भूमिकाएं शुद्ध मनोरंजन के लिए होती हैं। ऐसी भूमिकाओं में आपको बस स्क्रीन पर खुद का आनंद लेना है और दर्शक आपके साथ आनंद लेंगे, क्योंकि कैमरा सेट की सारी ऊर्जा को पकड़ रहा होगा।

CMYK

प्रियदर्शिनी बैंक घोटाला मामले में हाईकोर्ट सख्त

हाईकोर्ट ने पुलिस को 20 अक्टूबर तक चार्जशीट पेश करने के दिया निर्देश

रायपुर,08 अक्टूबर 2023(ए)। इंदिरा प्रियर्शनी बैंक घोटाला मामले में कोर्ट ने पुलिस को 20 अक्टूबर तक की मोहलत दी है। इस दौरान पुलिस को पूरक चार्जशीट पेश करना होगा। बता दें कि 17 साल बाद कोर्ट के आए फैसले के अनुसार पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

हालांकि पुलिस ने इस मामले में अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं की है, मगर पीड़ितों का 2.5 करोड़ रुपए वापस जमा कराया गया है। कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई के दौरान पुलिस से सवाल किया है कि इस मामले की जांच को तीन माह से अधिक समय गुजर चुका है। मगर अब तक पूरक चार्जशीट पेश क्यों नहीं की गई। कोर्ट ने जांच की वर्तमान स्थिति की जानकारी उपलब्ध कराने को कहा है।

न्यायिक मजिस्ट्रेट भूपेश बसंत की कोर्ट में सुनवाई के दौरान कई आरोपी पेश नहीं हुए थे। उन्हें अगली पेशी में उपस्थित रहने के लिए कोर्ट ने नोटिस जारी किया गया है। इस मामले के एक आरोपी नीरज जैन ने फर्जी कंपनी बनाकर बैंक का पैसा उसमें निवेश किया। फिर उन पैसों से शेयर खरीदा। लाभ अर्जित करने के बाद आरोपी ने शेयर बेच दिये।

बता दें कि 40 में से सिर्फ आधा दर्जन कंपनियों ने ही पैसा लौटाया है। बाकी पैसा लौटाने में आनाकानी कर रहे हैं। पुलिस ने उन्हें फिर से नोटिस जारी किया है। इस मामले में पुलिस ने बैंक घोटाले के मुख्य आरोपी तत्कालीन मैनेजर उमेश सिन्हा का नार्को टेस्ट कराया था। टेस्ट का वीडियो उसी समय वायरल हुआ था। उसमें राज्य के कई प्रभावशाली लोगों के नाम का जिक्र किया गया था। उन्हें घोटाले का पैसा पहुंचाने की बात कही गई थी।

इसे लेकर कांग्रेस ने कई बार कार्रवाई की मांग की। सरकार में आने के बाद नार्को रिपोर्ट के आधार पर जांच के लिए कोर्ट में अर्जी लगाई गई। कोर्ट ने उसी आधार पर फिर से पुलिस को जांच के निर्देश दिए हैं, लेकिन पुलिस ने अब तक किसी को नया आरोपी नहीं बनाया है।

भूपेश ने दी वायुसेना दिवस की बधाई

रायपुर,08अक्टूबर 2023(ए)। भूपेश बघेल ने 8 अक्टूबर वायुसेना दिवस पर भारतीय वायुसेना के साहसी सैनिकों और सदस्यों को बधाई दी है।मुख्यमंत्री ने कहा कि वायु सेना के वीर योद्धाओं ने मातृभूमि की रक्षा के साथ विषम परिस्थितियों में नागरिकों की जान बचाने के कई कीर्तिमान स्थापित किये हैं। और देश में शांति-सौहार्द बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। भारतीय वायु सेना की असाधारण क्षमता का परिचय देते हुए राष्ट्र को सुरक्षित रखने और मातृभूमि के लिए बलिदान देने वाले वायु सैनिकों का देश सदा ऋणी रहेगा।

नंबरों से असंतुष्ट होने पर अभ्यर्थी अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की छायाप्रति के साथ

सीजीपीएससी में कर सकते हैं अभ्यावेदन

रायपुर,08अक्टूबर 2023(ए)। सोशल मीडिया पर काफी दिनों से वायरल हो रही उत्तर पुस्तिका के मामले में अब जाकर संज्ञान लिया है। सीजीपीएससी ने कहा कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के संज्ञान में यह तथ्य आया है कि विगत कुछ दिनों से आयोग द्वारा की जा रही भर्ती प्रक्रियाओं पर कुछ सोशल मीडिया व प्रिंट मीडिया के माध्यम से उत्तर पुस्तिकाएं (प्रश्न के आधे-अधूरे उत्तरों को स्क्रीनशॉट इमेज क्लिप तैयार कर) वायरल किए जा रहे हैं। इसमें लिखा है कि प्रश्न के अनुरूप उत्तर न होने पर भी अंक प्रदान किए गए हैं, यदि ऐसा किसी अभ्यर्थी के साथ घटित हुआ हो तो उक्त संबंध में आयोग कार्यालय में शिकायत कर सकते हैं। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के अवर सचिव से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2022 में कुल 2661 अभ्यर्थी शामिल थे। अतः सोशल मीडिया में प्रसारित उत्तर पुस्तिकाओं के 1 या 2 पृष्ठ (प्रश्न के आधे-अधूरे उत्तरों के स्क्रीनशॉट इमेज क्लिप) के आधार पर उक्त उत्तर पुस्तिका किस अभ्यर्थी के है, यह आयोग स्तर पर पहचान किया जाना संभव नहीं है और न ही उक्त तथ्यों की जाँच किया जाना संभव नहीं हो पा रहा है। अतः मीडिया में प्रसारित उत्तर पुस्तिकाओं के पृष्ठ से संबंधित अभ्यर्थी अपने उत्तर पुस्तिकाओं की छायाप्रति के साथ आयोग कार्यालय में अभ्यावेदन प्रस्तुत करें, ताकि नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही किया जा सके।

क्रिप्टो करेंसी के जरिये छःमाह में डबल रिटर्न का झांसा देकर 20.25 लाख का लगाया चूना

रायपुर,08अक्टूबर2023(ए)। ठगों ने अब क्रिप्टो करेंसी में निवेश करने पर लाभ का झांसा देकर लोगों को बेवकूफ बनाना शुरू कर दिया है। राजधानी रायपुर में दोगुना रिटर्न का झांसा देकर एक महिला से 20.25 लाख रूपए की धोखाधड़ी की गई। इस मामले में तेलीबांधा पुलिस ने धारा 420,120 बी के तहतअपराध दर्ज किया है।

इस तरह झांसा देकर की ठगी

रायपुर के शांति नगर राम मंदिर के पास रहने वाली कुमारी ललिता सोना(34) के साथ यह ठगी हुई। ललिता की पिछले वर्ष 1 सितंबर को तेज कुमार पुरी, समीर मिश्र और सत्यवत दुबे ने होटल ट्रीटोन तेलीबांधा में मुलाकात हुई थी। इन्होंने ललिता को क्रिप्टो करेंसी नेटवर्क मार्केटिंग में निवेश करने का ऑफर दिया। इन लोगों ने अभी निवेश करने पर छः माह में रकम दोगुना वापसी वाली स्कीम बताई। इसे अच्छा ऑफर मान कर ललिता ने निवेश का फैसला किया। तेज, समीर और सत्यवत ने दिसंबर-22 तक चार महीने में ललिता से 20 लाख 25 हजार रूपए वसूले। एक वर्ष बाद भी रिटर्न नहीं आया तो ललिता को ठगी समझ आई। उसने इस मामले में तेलीबांधा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई । पुलिस ने साइबर सेल की मदद से आरोपियों की खोजबीन शुरू कर दी है ।

बैज ने कहा बीजेपी चाहती है वंचित वर्गो को संवैधानिक हक न मिले

रायपुर,08अक्टूबर 2023(ए)। जातिगत जनगणना पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि भाजपा वंचित वर्गो को उनका अधिकार देने का विरोध करती है। राज्य के वंचित वर्गो को संवैधानिक हक न मिले इसीलिये भाजपा ने आरक्षण बिल रोकवाया है। लोगो को उनके अधिकार से वंचित रखने के षडयंत्र के कारण मोदी सरकार 2021 में होनी वाली देश की जनगणना को भी 2023 से लंबित रखे है। यही कारण है कि भाजपा की केन्द्र सरकार जातिगत जनगणना नहीं करवा रही है। जातिगत जनगणना से देश की वास्तविक जातीय आधार तथा विभिन्न जातीय समूहो की आर्थिक सामाजिक हालात की जानकारी सामने आयेगी जिसके आधार पर सरकार को अपनी योजनाओं को बनाने के सही तथ्य मिलेंगे।

जब देश के लोगो के बारे में जानकारी ही नहीं मिलेगी तो सरकार उनके भलाई को योजनायें कैसे बनायेगी। भाजपा की केन्द्र सरकार आर्थिक और सामाजिक लोगो के भलाई के लिये योजना नहीं बनाना चाहती है इसीलिये भाजपा जातिगत जनगणना का विरोध कर रही है । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि भाजपा छत्तीसगढ़ में भी वंचित वर्गो को उनका अधिकार देने के खिलाफ है। यही कारण है कि भूपेश सरकार द्वारा विधानसभा में पारित करवाये गये आरक्षण संशोधन विधेयक को भाजपा राजभवन में रोकवा कर रखी है उस पर हस्ताक्षर नही होने दे रही है भूपेश सरकार द्वारा बनाये गये आरक्षण बिल में आदिवासी वर्ग के लिये 32 प्रतिशत, ओबीसी के लिये 27 प्रतिशत, अनुसूचित जाति के लिये 13 प्रतिशत तथा अनारक्षित वर्ग में गरीब के लिये 4 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था है। कांग्रेस सरकार ने इन वर्गो को आरक्षण देने के लिये इनकी जन संख्या को आधार माना है।

अनुसूचित जाति तथा जनजाति के आरक्षण का आधार 2011 की जनगणना है तथा ओबीसी को आरक्षण देने के पहले भूपेश सरकार क्रांटी फायबल द्वारा आयोग बनाकर ओबीसी तथा सामान्य वर्ग की गणना करवाया है। ओबीसी वर्ग की जनसंख्या 44 प्रतिशत तथा सामान्य वर्ग की संख्या साढ़े तीन प्रतिशत आई है।

उसी आधार पर उनके आरक्षण की व्यवस्था की गयी है। भाजपा नहीं चाहती आदिवासी समाज और ओबीसी की आरक्षण बढ़े। इसीलिये वह विरोध करती है तथा आरक्षण बिल को राजभवन में रोकवा कर रखी है।

कांग्रेस नेता के भाई की दबंगई,मिला थानेदार का सपोर्ट

बिलासपुर,08अक्टूबर 2023(ए)। बिलासपुर में पुलिस की कार्यप्रणाली से नाराज लोगों ने शुक्रवार को देर शाम तक जमकर हंगामा किया और थाने के सामने प्रदर्शन किया। आरोप है कि युवा कांग्रेस नेता के भाई को बचाने के लिए थानेदार ने मिलीभगत कर मारपीट से घायल युवक के खिलाफ ही केस दर्ज कर दिया। हालांकि एसपी संतोष कुमार सिंह ने इसे गंभीरता से लिया है। मारपीट और गुंडागर्दी करने वाले आरोपियों के खिलाफ जानलेवा हमला करने का केस दर्ज कराया, तब जाकर मामला शांत हुआ। पूरा मामला मस्तूरी थाना क्षेत्र का है। दरअसल, राठौर मोहल्ला निवासी राकेश कुमार निर्णेजक बोवेल्स का काम करता है। बीते सोमवार को वह किसी काम से मल्हार रोड स्थित सहारेन होटल के पास गया था। इस दौरान वह फोटोकॉपी की दुकान में फोटो कॉपी कराया और वहीं ऑटो में जाकर बैठ गया। शाम करीब 5.40 बजे युवा कांग्रेस नेता विश्वजीत अनंत का भाई विक्रमजीत अनंत और बलमजीत अपने दोस्तों के साथ आया और बिना वजह राकेश साथ गाली-गलौज करने लगा। इस दौरान युवकों ने राकेश को उसके दोस्तों को बुलाने के लिए भी कहा। राकेश ने पुलिस को बताया कि युवकों ने उसे घेर लिया, फिर लात-घूंसों और डंडे से पिटाई की।

उत्तर पुस्तिका में पहचान चिन्ह दर्शित करने के कारण अभ्यर्थी अनर्ह घोषितःपीएससी ने स्पष्ट की स्थिति

रायपुर,08अक्टूबर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा चयन प्रक्रिया के दौरान होने वाले साक्षात्कार में पात्र अभ्यर्थी को न बुलाए जाने के संबंध में सोशल मीडिया में एक समाचार प्रसारित हुआ है, जिसमें उल्लेख है कि अन्य पिछड़ा वर्ग के एक अभ्यर्थी द्वारा पीएससी के सचिव और परीक्षा नियंत्रक को पत्र लिखकर यह शिकायत की गई है कि सीजीपीएससी-2022 की भर्ती के दौरान ओबीसी श्रेणी में लिखित परीक्षा में 710 से 715 नम्बर पाने वाले अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया है। अभ्यर्थी श्री शिवम देवांगन का आरोप है कि उन्हें लिखित परीक्षा में 771.5 अंक प्राप्त हुए थे। इसके बावजूद भी साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाया गया।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा इस संबंध में स्पष्ट किया गया है कि प्रसारित समाचार भ्रामक तथा तथ्यहीन है। वस्तुस्थिति यह है कि राज्य सेवा परीक्षा 2022 में अभ्यर्थी श्री शिवम देवांगन द्वारा प्रथम प्रश्न पत्र के प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में पृष्ठ क्रमांक 20 पर प्रश्न क्रमांक 17 (ख) में श्री राधेश्याम तथा राजेश मोहन उल्लेख कर पहचान चिन्ह दर्शित करने के कारण आयोग द्वारा उन्हें अनर्ह घोषित करते हुए परीक्षा परिणाम प्रक्रिया से पृथक किया गया है। इस कारणवश राज्य सेवा (मुख्य) परीक्षा 2022 के साक्षात्कार की सूची में अभ्यर्थी को शामिल नहीं किया गया।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा जारी विज्ञापन की कंडिका 11 का (पग) एवं प्रश्न सह उत्तरपुस्तिका में उल्लेखित निर्देश की कंडिका-04 के अनुसार- प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त कहीं पर भी अपना नाम, अनुक्रमांक, कोई धार्मिक चिन्ह, कोई पहचान चिन्ह या उत्तर के अतिरिक्त अन्य कोई अक्षर, शब्द, वाक्य या कोई धार्मिक शब्द या वाक्य नहीं लिखा जाना चाहिए। उत्तर पुस्तिका में नीले व काले बॉल पॉइण्ट पेन के अतिरिक्त अन्य किसी भी रंग अथवा किसी प्रकार के पेन जैसे स्केच पेन, हाईलाइटर, ग्लिटर पेन इत्यादि का प्रयोग न करें। ऐसा करने पर जाँचकर्ता द्वारा संबंधित अभ्यर्थी को अनर्ह घोषित किए जाने की अनुशंसा की जा सकती है। उक्त संदर्भ में आयोग का निर्णय अंतिम होगा। उक्त निर्देशों का पालन अभ्यर्थी श्री शिवम कुमार देवांगन द्वारा नहीं किए जाने के कारण ही उन्हें अनर्ह घोषित किया गया है।

नौकरी दिलाने का झांसा देकर युवक से 14 लाख की ठगी

बिलासपुर,08अक्टूबर 2023(ए)। लगातार फ्रॉड के मामले छत्तीसगढ़ में सामने आ रहे हैं। इसी कड़ी में होटल मैनेजमेंट कोर्स और अच्छे वेतन की नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक युवक से 14 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। तोरवा थाने में दर्ज शिकायत के अनुसार हेमू नगर के सागर मंडल के मोबाइल फोन पर एक लिंक आया था, जिसमें होटल मैनेजमेंट कोर्स के लिए ऑनलाइन आवेदन करने का ऑफर था। इसमें बताया गया था कि कोर्स करने के बाद गारंटी के साथ देश के बड़े होटलों में जॉब दिलाया जाएगा, जिसमें लाखों रुपये वेतन के रूप में प्राप्त होगा।

पुलिस ने अपराध दर्ज कर मामला साइबर सेल को सौंपा इस फॉर्म को भरकर उसने बताए गए ई मेल एड्रेस पर भेज दिया। इसके बाद उसके पास अज्ञात व्यक्ति का फोन आया, जिसने फीस और रजिस्ट्रेशन के नाम पर रुपये मांगे। जब पीड़ित ने फीस बहुत ज्यादा बताई तो कॉल करने वाले ने कहा कि इस कोर्स की बहुत डिमांड है और हर माह लाखों रुपये की कमाई होगी। उसकी बातों में आकर युवक सागर मंडल ने किश्तों में अपने और अपनी मां के अकाउंट से 14 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद जब और पैसों की मांग की गई तो उन्हें ठगे जाने का एहसास हुआ। उन्होंने तोरवा थाने में शिकायत दर्ज कराई। तोरवा पुलिस ने अपराध दर्ज कर मामला साइबर सेल को सौंप दिया है।

7 साल बाद प्रबंधन और डॉक्टरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

हाई कोर्ट में मामले की सुनवाई के बीच पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का अपराध किया कायम

बिलासपुर,08अक्टूबर 2023(ए)। पेट दर्द की शिकायत पर बिलासपुर के अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती कराए गए मरीज की 24 घंटे के भीतर मौत हो गई। इस दौरान इलाज कर रहे डॉक्टरों ने इसे जहर सेवन से मौत का मामला बता दिया। परिजनों ने इसकी पुलिस में शिकायत की मगर कार्रवाई नहीं करने पर इलाज में लापरवाही को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी। मामले की अगली सुनवाई से पहले पुलिस ने अस्पताल प्रबंधन और इलाज करने वाले डॉक्टरों के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या का अपराध दर्ज किया है।

डॉक्टरों ने जहर सेवन से मौत का मामला बताया

यह मामला 25 दिसंबर 2016 का है। बिलासपुर शहर में दयालबंद के आदर्श कॉलोनी निवासी 29 वर्षीय गुरबीन छाबड़ा उर्फ गोल्डी को अपोलो अस्पताल लाया गया था। उसे पेट में दर्द की शिकायत थी। 26 दिसंबर को उसकी मृत्यु हो गई। डॉक्टर ने बताया कि उसकी मृत्यु सल्फास के सेवन से हुई है। परिजनों ने इससे इंकार किया और डॉक्टरों पर गलत इलाज का आरोप लगाया। उन्होंने थाने में शिकायत की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

स्वास्थ्य सचिव को दाखिल करना है जवाब

पुलिस ने जहर सेवन की आशंका को देखते हुए सिम्स चिकित्सालय में शव का पोस्ट मॉर्टम कराया। साथ ही उसका बिसरा सुरक्षित किया गया। परिजनों ने हाईकोर्ट में याचिका लगाकर मौत की जांच करने और संबंधित जिम्मेदार डॉक्टर के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की। इस मामले की कई बार सुनवाई हो चुकी थी। अगली सुनवाई 10 अक्टूबर को निर्धारित की गई है, जिसमें स्वास्थ्य सचिव सहित अन्य अधिकारियों को जवाब दाखिल करना है।

मेडिकल बोर्ड ने जांच में उजागर की खामियां

पुलिस ने हाईकोर्ट में मामला दर्ज होने के बाद जांच शुरू की। फरवरी 2023 में सिम्स चिकित्सालय के मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट में बताया गया कि मरीज के एंडोस्कोपी जांच का डायग्नोसिस का उल्लेख नहीं है। पॉइजनिंग के मामले में किया जाने वाला प्राथमिक उपचार भी नहीं किया गया। टीएलसी बढ़ा हुआ था, जिस पर कोई उल्लेख उपचार के दौरान नहीं किया गया है। चिकित्सकों ने सामूहिक रूप से उपचार किया किंतु किसी भी दस्तावेज में प्रोविजनल क्लीनिकल डॉक्टरों की टीम को व्यापक तौर पर गौर करने की आवश्यकता थी। इसके अलावा भी कई खामियां पाई गई। अपोलो के चिकित्सक दल ने उपचार के दौरान रोगी के उल्टी, गैस्ट्रिक कंटेंट्स, रक्त और पेशाब के नमूने को एकत्र कर रासायनिक परीक्षण के लिए भेजने में भी लापरवाही बरती।

बिसरा परीक्षण में नहीं पाया गया जहर

विशेषज्ञ अभिमत के लिए इस संबंध में डायरेक्टर संचालनालय मेडिकोलीगल संस्थान गृह (पुलिस) विभाग मेडिकोलीगल विशेषज्ञ एवं मेडिकोलीगल सलाहकार छत्तीसगढ़ शासन जेल रोड मेडिकल कालेज भवन रायपुर से 27 सितंबर को रिपोर्ट प्राप्त हुई, जिसमें विशेषज्ञ द्वारा डॉक्टर एवं अस्पताल प्रबंधन द्वारा लापरवाही किये जाने के संबंध में अलग-अलग बिन्दुओं पर उल्लेख किया गया है। बिसरा परीक्षण में भी किसी प्रकार का जहर नहीं पाया गया।

सालों बाद मिली रिपोर्ट पर हुई एफआईआर

इस प्रकार मर्ग जांच, मेडिकल बोर्ड, विशेषज्ञ की जांच रिपोर्ट के आधार पर मृतक गोल्डी उर्फ गुरवीन छाबडा आ. परमजीत सिंह छाबडा, उम्र 29 साल साकिन आदर्श कॉलोनी दयालबंद थाना कोतवाली की मृत्यु ईलाज के दौरान अपोलो अस्पताल प्रबंधन बिलासपुर एवं संबंधित डॉक्टरों की लापरवाही से होना पाये जाने से थाना सरकण्डा में धारा 304 ए के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। तथा अस्पताल प्रबंधन एवं संबंधित डॉक्टरों द्वारा ईलाज में लापरवाही करने के संबंध में जांच कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है ।

सी-विजिल एप्प से आचार साहिंता के उल्लंघन पर लगेगी रोक

रायपुर,08अक्टूबर 2023(ए)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन में पारदर्शिता और विश्वसनीयता को सुनिश्चित करने के लिए सी-विजिल मोबाइल एप्लीकेशन उपलब्ध कराया गया है। इस एप्लीकेशन का अर्थ सिटीजन विजिलेंस यानी नागरिकों की सतर्कता है। एप के माध्यम से आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों की कुशलतापूर्वक त्वरित रिपोर्ट प्रस्तुत किया जा सकता है।

सी-विजिल एप के माध्यम से आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की गतिविधि को रोकने में मदद मिलती है और निर्वाचन प्रक्रिया पारदर्शी एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जाती है। इस मोबाइल एप्लीकेशन को गूगल प्ले स्टोर एवं एप्पल स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है।

नागरिक जुड़ाव और प्रवर्तन प्रक्रिया में भागीदारी को यह एप्लीकेशन बढ़ावा देता है। निर्वाचन को ठीक से संचालित करने के लिए विश्वास-आधारित साझेदारी की आवश्यकता है और यह मोबाइल एप्लीकेशन जागरूकता, विश्वास और आत्मविश्वास पैदा कर उस साझेदारी को सुगम बनाने में सहायक सिद्ध होता है। कलेक्टर ने जिले के सभी विधानसभाओं के लिए नियुक्त रिटर्निंग ऑफिसर सहित अन्य अधिकारियों को सी-विजिल मोबाइल एप्लीकेशन के व्यापक प्रचार-प्रसार की बात कही गई है।बता दें कि यह मोबाइल एप्लीकेशन निर्वाचन सीमा के भीतर प्रत्येक नागरिक को आवेदन में साइन-इन करके अपने मोबाइल फोन के माध्यम से फोटो, आडियो, वीडियो लेकर आदर्श आचार संहिता व व्यय उल्लंघन की रिपोर्ट करने की अनुमति देता है। ऐप नागरिकों को उनके व्यक्तिगत विवरण पहचान का खुलासा किए बिना गुमनाम रूप से शिकायत करने की भी अनुमति देता है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)